सांध्य दैनिक
RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 325 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, मंगलवार 08 सितंबर 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

छतों पर अवैध होर्डिंग-कटआउट पर अब सीधे होगी एफआईआर, अनुमति भी निरस्त करेगा नगर निगम

महापौर अलका बाघमार ने कहा- कटआउट लगाने वालों पर भी होगी एफआईआर, यातायात एवं नागरिको की सुरक्षा को लेकर एमआइसी में निर्णय

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दुर्ग शहर में सड़कों के डिवाइडर व छतों पर लगे कटआउट होर्डिंग को लेकर नगर निगम प्रशासन सख्त हो गया है। शहर के लोगों की सुरक्षा को देखते हुए महापौर अलका बाघमार ने महापौर परिषद् की बैठक में सख्त निर्देश दिया है। बैठक में महापौर ने कहा कि निगम क्षेत्र में मुख्य मार्गो के डिवाइडरों सहित निजी छतों अथवा सार्वजनिक स्थानों पर बिना अनुमति विज्ञापन कटआउट, होर्डिंग्स या अन्य प्रचार सामग्री लगाने वालों के खिलाफ नोटिस नही सीधा एफआईआर दर्ज कर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने अनधिकृत विज्ञापनों को हटाने तथा नियमों के विपरीत लगाए गए छत होर्डिंग्स की अनुमति निरस्त करने के संबंध में आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए।

एमआईसी की बैठक में अवैध होर्डिंग्स का मुद्दा छाया

महापौर परिषद् की बैठक में कुल 12 बिंदुओं पर संबंधित विभागों द्वारा जानकारी प्रस्तुत की गई, जिस पर एमआईसी सदस्यों ने विस्तार से विचार-विमर्श किया। इस दौरान बिना अनुमति विज्ञापन कटआउट, होर्डिंग्स या अन्य प्रचार सामग्री का मुद्दा छाया रहा। महापौर बाघमार ने कहा कि आंधी-बारिश के दौरान क्षतिग्रस्त होर्डिंग्स के फटकर सड़क पर गिरने से दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। साथ ही इनके स्ट्रक्चर के गिरने की संभावना के साथ शहर की सुंदरता भी प्रभावित होती है। महापौर अलका बाघमार ने स्पष्ट कहा कि नागरिको की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए एवं यातायात व्यवस्था से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

सूर्या मॉल चौक पर अवैध होर्डिंग-बैनर पोस्टर पर भिलाई नगर निगम ने शुरू की कार्रवाई

3 सितंबर को प्रकाशित खबर

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र के प्रमुख एवं व्यस्ततम सूर्या मॉल चौक पर सड़क किनारे लगे अवैध होर्डिंग, बैनर एवं पोस्टरों को लेकर निगम ने कार्रवाई शुरू कर दी है। व्यवसायियों एवं अन्य एजेंसियों द्वारा सड़क किनारे लगे विद्युत एवं अन्य पोल पर बिना अनुमति प्रचार सामग्री लगाए जाने से जहां शहर की सुंदरता प्रभावित हो रही है, वहीं वाहन चालकों की दृश्यता बाधित होने के कारण सड़क दुर्घटना की आशंका भी बनी रहती है।

बता दें नेहरू नगर जोन क्रमांक 1 के अंतर्गत सड़कों पर अवैध बैनर पोस्टर व बिना अनुमति के लगे होर्डिंग को लेकर श्रीकंचनपथ समाचार पत्र ने 3 सितंबर को खबर प्रकाशित किया था। खबर प्रकाशन के चार दिन बाद ही निगम प्रशासन द्वारा कार्रवाई शुरू कर दी गई। नेहरू नगर क्षेत्र के राजस्व विभाग की टीम मौके पर पहुंची और सड़क के पोल पर लगाए गए अवैध होर्डिंग, बैनर एवं पोस्टरों के खिलाफ कार्रवाई करने की तैयारी की। कार्रवाई के दौरान सूर्या मॉल चौक क्षेत्र में लगे कई अवैध प्रचार सामग्री को हटाया गया, जिससे सड़क एवं चौक का स्वरूप भी अधिक व्यवस्थित नजर आया।

कार्रवाई से पहले ही खुद समेटने लगे बैनर पोस्टर

निगम की टीम के पहुंचने की जानकारी मिलते ही व्यवसायियों ने स्वयं पहल करते हुए अपने लगाए गए होर्डिंग, बैनर एवं पोस्टर हटाना शुरू कर दिया। निगम अधिकारियों ने कहा है३ कि सार्वजनिक स्थानों, सड़क किनारे के पोल एवं अन्य स्थानों पर बिना अनुमति प्रचार सामग्री लगाना नियमों के विपरीत है। ऐसे अवैध होर्डिंग एवं बैनर से यातायात व्यवस्था प्रभावित होने के साथ-साथ दुर्घटना की संभावना भी बढ़ सकती है। निगम द्वारा शहर में यातायात सुगम बनाए रखने और सार्वजनिक स्थलों को अवैध प्रचार सामग्री से मुक्त रखने के लिए लगातार कार्रवाई की जा रही है। राजस्व विभाग की टीम ने व्यवसायियों को भविष्य में बिना अनुमति होर्डिंग, बैनर एवं पोस्टर नहीं लगाने की समझाइश भी दी।

खास-खबर

बारिश थमने से चढ़ा पारा, राजनांदगांव में 33 डिग्री तापमान

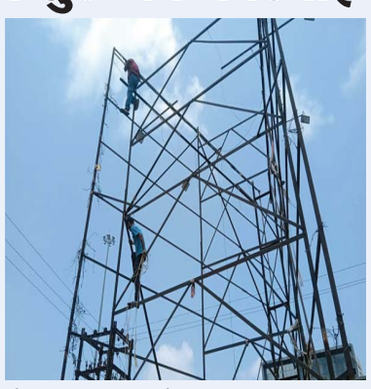

रायपुर। प्रदेश में पिछले 3-4 दिनों से बारिश पर ब्रेक लगा हुआ है। अब यूपी में बने लो प्रेशर एरिया के असर से बारिश का सिस्टम फ्रि एक्टिव होगा। इससे अगले 2 दिन प्रदेश में कई जगह गरज-चमक के साथ हल्की से मध्यम बारिश और बौछारें पड़ सकती हैं। कुछ जगह बिजली गिरने की भी आशंका है। पिछले 24 घंटे में प्रदेश के कुछ हिस्सों में बहुत हल्की बारिश हुई। आज (मंगलवार) भी कुछ जगह हल्की से मध्यम बारिश के आसार हैं। फिलहाल किसी जिले के लिए चेतावनी जारी नहीं की गई है। प्रदेश में सबसे ज्यादा अधिकतम तापमान 33एष्ट राजनांदगांव में रहा, जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान 20.8 डिग्री पेंड्रारोड में दर्ज किया गया। इसके असर से अगले दो दिनों में प्रदेश में कई जगहों पर हल्की से मध्यम बारिश होने का अनुमान है। इस दौरान कुछ स्थानों पर गरज-चमक के साथ आकाशीय बिजली गिरने की संभावना भी है। प्रदेश में मानसून सीजन की कुल बारिश सामान्य से 4 फीसदी कम है। मंगलवार को भी कुछ जगहों पर हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है।

छत्तीसगढ़ के 3 राज्य-प्रशासनिक सेवा अफसर बन सकते हैं आईएएस

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य प्रशासनिक सेवा के तीन अधिकारियों को जल्द भारतीय प्रशासनिक सेवा में पदोन्नति मिल सकती है। आईएएस अवार्ड के लिए अधिकारियों के नामों पर विचार करने दिल्ली में विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक प्रस्तावित है। बैठक में छत्तीसगढ़ के मुख्य सचिव विकास शील और सामान्य प्रशासन विभाग के प्रभारी सचिव मुकेश बंसल शामिल होंगे। बैठक की अध्यक्षता संघ लोक सेवा आयोग के चेयरमैन डॉ. अजय कुमार करेंगे। बैठक में राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों को आईएएस कैडर में शामिल किए जाने के लिए उनके सेवा रिकॉर्ड, पात्रता पर विचार किया जाएगा। इसके लिए अभिषेक अग्रवाल, सचिन भूतड़ा और राजीव पांडे के नामों की चर्चा है।

टेलीग्राम हुआ डाउन, यूजर्स ने की शिकायत

नईदिल्ली। लोकप्रिय मैसेजिंग प्लेटफॉर्म टेलीग्राम के करोड़ों यूजर्स को मंगलवार सुबह एक बड़े तकनीकी झटके का सामना करना पड़ा। भारत, अमेरिका और सिंगापुर सहित दुनिया के कई प्रमुख देशों में इस एप की सेवाएं अचानक ठप हो गईं। यूजर्स को मैसेज भेजने, प्राप्त करने और एप को एक्सेस करने में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। इस आउटेज के कारण लोगों के निजी और पेशेवर संवाद पर गहरा असर पड़ा।

शरिया कोर्ट नहीं सुना सकता तलाक का फैसला

हाईकोर्ट बोला- धार्मिक संस्था सिर्फ राय दे सकती है, इन्हें अदालत का दर्जा नहीं

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने मुस्लिम महिला के वैवाहिक अधिकारों से जुड़े मामले में कहा कि कोई निजी धार्मिक संस्था या खुद को शरिया कोर्ट बताने वाला संगठन कानून से बनी अदालत का दर्जा नहीं रखता। ऐसी संस्थाएं किसी महिला के वैवाहिक दर्जे का फैसला नहीं कर सकतीं और न ही विवाह खत्म होने की कानूनी घोषणा कर सकती हैं।

जस्टिस अमितेंद्र किशोर प्रसाद ने रायपुर के इदारा-ए-शरिया इस्लामी कोर्ट के 18 जनवरी 2022 के आदेश को कानूनी अधिकार वाला नहीं माना। इस आदेश में याचिकाकर्ता महिला को उसके पति से तलाकशुदा बताया गया था। हाईकोर्ट ने कहा कि इदारा-ए-शरिया का आदेश किसी कानूनी न्यायिक व्यवस्था के तहत जारी नहीं हुआ है। इसलिए इससे न विवाह खत्म हो सकता है और न ही किसी पक्ष के कानूनी अधिकार, स्थिति या जिम्मेदारी में बदलाव किया जा सकता है द्व

दरअसल, रायपुर टिकरापारा निवासी निरोश अब्बासी (38) के पहले पति की साल 2015 में मौत हो गई थी। इसके बाद उन्होंने 18 जुलाई 2020 को मोहम्मद आबिद खान से निकाह किया। इसके बाद बच्चों के नए परिवार में तालमेल बैठाने को लेकर पति-पत्नी के बीच विवाद शुरू हो गया। याचिकाकर्ता के अनुसार, विवाद के बाद पति ने उन्हें तलाक देने की प्रक्रिया शुरू की। पति का कहना था कि उन्होंने तलाक-ए-हसन तीन चरणों में 31 अगस्त, 30 सितंबर और 30 अक्टूबर 2021 को संचार के माध्यम से घोषित किया था।

उत्पीड़न की शिकायत के बाद दर्ज हुई एफआईआर

महिला ने पति और ससुराल वालों पर उत्पीड़न, क्रूरता और दुर्व्यवहार का आरोप लगाते हुए शिकायत की थी। मामले में वन स्टॉप सखी सेंटर में काउंसिलिंग भी हुई, लेकिन विवाद का समाधान नहीं हो सका। महिला ने 7 अक्टूबर 2021 को पुलिस अधीक्षक के सामने शिकायत की। मामले में 1 नवंबर 2021 को एफआईआर दर्ज की गई।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले को बनाया आधार

हाईकोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के विश्व लोचन मदन बनाम यूनियन ऑफइंडिया मामले में दिए फैसले का हवाला दिया। कोर्ट ने कहा कि दारुल कजा या फ्तवा जारी करने वाली निजी संस्थाओं को कानून से स्थापित अदालत का दर्जा हासिल नहीं है। ऐसी संस्थाओं के फैसले बाध्यकारी नहीं होते और उन्हें कानूनी प्रक्रिया के जरिए लागू नहीं कराया जा सकता। इसी आधार पर हाईकोर्ट ने कहा कि इदारा-ए-शरिया किसी व्यक्ति के वैवाहिक दर्जे का कानूनी फैसला नहीं कर सकता।

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस कृष्ण राम महापात्रा ने ली शपथ

■ राज्यपाल रमेन डेका ने दिलाई शपथ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका ने न्यायाधिपति कृष्ण राम महापात्रा को सोमवार को लोकभवन के छत्तीसगढ़ मण्डपम् में उच्च न्यायालय, छत्तीसगढ़ के मुख्य न्यायाधीश पद की शपथ दिलाई। इसके पूर्व कृष्ण राम महापात्रा उड़ीसा हाईकोर्ट के वरिष्ठ जज के पद पर कार्यरत थे। राज्यपाल डेका ने मुख्य न्यायाधीश कृष्ण राम महापात्रा को राष्ट्रपति द्वारा जारी मूल वारंट की प्रति सौंपी। राज्यपाल ने मुख्य न्यायाधीश महापात्रा को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, केन्द्रीय कृषि राज्य मंत्री तोखन साहू, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, पूर्व राज्यपाल रमेश बैस, राज्य सभा सांसद लक्ष्मी वर्मा, विधायक सुनील सोनी, अनुज शर्मा एवं अन्य जनप्रतिनिधि भी उपस्थित थे। समारोह में मुख्य न्यायाधीश महापात्र की धर्मपत्नी अनिता महापात्र सहित हाईकोर्ट के न्यायाधीश उपस्थित थे।

शपथ ग्रहण समारोह का संचालन प्रदेश के मुख्य सचिव विकास शील द्वारा किया गया तथा उन्होंने राष्ट्रपति द्वारा जारी वारंट का वाचन किया। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव सुब्रत साहू, प्रमुख सचिव गृह विभाग निहारिका बारिक, पुलिस महानिदेशक अरूण देव गौतम, राज्यपाल के सचिव डॉ. सीआर प्रसन्ना, महाधिवक्ता विवेक शर्मा, उच्च न्यायालय बिलासपुर के रजिस्ट्रार जनरल रजनीश श्रीवास्तव सहित राज्य शासन के वरिष्ठ अधिकारीगण एवं हाईकोर्ट के अधिवक्तागण उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि श्री महापात्र छत्तीसगढ़ के 16 वें मुख्य न्यायाधीश होंगे।

वडोदरा पहुंचे प्रधानमंत्री मोदीः गुजरात को हजारों करोड़ की परियोजनाओं की सौगात

वडोदरा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को गुजरात के वडोदरा पहुंचे। यहां वह नमो फॉर विकसित भारत कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम में पहुंचने पर वहां मौजूद युवाओं ने प्रधानमंत्री का गर्मजोशी से स्वागत किया। स्वागत समारोह के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 35000 करोड़ की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'नमो फॉर विकसित भारत' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, 'आज मैं विकसित भारत की यात्रा को और गति देने के लिए आपके बीच आया हूं। अभी जो देश के विकास से जुड़े हजारों करोड़ों रुपये की परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण हुआ है। मैं देश की जनता को बहुत-बहुत बधाई देता हूं। इस विकास पर्व पर आप सभी ने जिस सेवा भाव से और सेवा भाव के साथ, पूरे वडोदरा शहर में स्वच्छता से स्वागत अभियान चलाया है, इसके लिए मैं वडोदरा के हर एक नागरिक को हृदय से बहुत-बहुत बधाई देता हूं।

सत्य निकेतन इमारत हादसाः घायलों से मिलने एम्स पहुंचीं सीएम रेखा गुप्ता

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के दक्षिणी परिसर के पास सत्य निकेतन की एक संकरी गली में लड़कों के छात्रावास के रूप में इस्तेमाल हो रही 30 साल पुरानी पांच मंजिला इमारत रविवार को भरभरा कर ढह गई। जमींदोज हुई इस इमारत हादसे में सात लोगों की मौत हो गई। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता सत्य निकेतन में इमारत गिरने की घटना में घायल हुए लोगों से मिलने एम्स पहुंचीं।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा, 'मैंने घायल बच्चों से मुलाकात की है। एक मजदूर यहां भर्ती है, जो अभी ठीक है। 2 बच्चे बिल्कुल ठीक हैं और एक बच्चा आईसीयू में है। मैंने परिजनों से भी मुलाकात की है। सारी स्थिति को देखते हुए हमने अभिभावकों को आश्वस्त किया है कि बच्चों का इलाज पूरी तरीके से अच्छे से हो और सरकार इसमें उनकी पूरी मदद करेगी, हर तरह की सहायता करेगी। हम आर्थिक मदद भी करेंगे। उसइमारत को गिराया जाएगाऔर कल उसे गिराने की कार्रवाई की जाएगी।'

तमिलनाडु विधानसभा में मीसा पर महाभारत स्पीकर के चेंबर के सामने बैठे डीएमके

चेन्नई। तमिलनाडु विधानसभा में मीसा, सरकारिया आयोग और पिछली छ्स्स्न्न सरकारों से जुड़े कथित मामलों को लेकर सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच टकराव बढ़ गया। छ्स्स्न्न ने मुख्यमंत्री विजय के बयानों को विधानसभा की कार्यवाही से हटाने की मांग की, जिसे स्पीकर ने खारिज कर दिया। इसके बाद डीएमके विधायकों ने मंगलवार को स्पीकर के चेंबर के सामने धरना दिया। इसके बाद स्पीकर ने मार्शल को डीमके विधायकों को सदन से बाहर निकालने का आदेश दिया।

डीएमके विधायक ई.वी. वेलु ने मुख्यमंत्री की टिप्पणियों पर आपत्ति जताते हुए आरोप लगाया कि जांच के दायरे में चल रहे विजिलेंस मामलों का सदन में जिक्र करना विधानसभा की परंपरा का उल्लंघन है। हंगामे के बीच स्पीकर ने वेलु को अपनी बात रखने की अनुमति दी। वेलु ने कहा कि मामलों को पढ़ना परंपरा का उल्लंघन है। कल मुख्यमंत्री ने मीसा और सरकारिया आयोग के बारे में बात की थी। मुख्यमंत्री के जवाब के दौरान विजिलेंस मामलों को पढ़ना परंपरा का उल्लंघन है। जो मामले जांच के दायरे में हैं, उन पर टिप्पणी नहीं की जा सकती।'मीसा पर विजय की टिप्पणी हटाने की मांग खारिज

स्पीकर जेसीडी प्रभाकर ने मीसा पर विजय की टिप्पणियों को विधानसभा की कार्यवाही से हटाने की डीएमके की मांग खारिज कर दी। स्पीकर ने कहा,'डीएमके कल मुख्यमंत्री विजय का भाषण एक मिनट भी सुनने को तैयार नहीं थी। मुख्यमंत्री विजय ने मीसा एक्ट के बारे में वही बातें कहीं, जिनका सदन में पहले ही जिक्र हो चुका था। इसलिए मीसा एक्ट पर मुख्यमंत्री के भाषण को हटाने की कोई जरूरत नहीं है।'

संपादकीय

जानलेवा हॉस्टल

आपराधिक लापरवाही की जबावदेही तय हो

दिल्ली विश्वविद्यालय के दक्षिण परिसर के निकट स्थित पांच मंजिला इमारत ढहने की घटना में मरने वाले छात्रों की संख्या सोमवार को सात घोषित की गई। अभी कुछ और छात्रों के मलबे में फंसे होने की आशंका है। कुंभकरणी नींद में सोई हुई राज्य सरकार अब जागी है। राजस्थान पहुंचकर पुलिस ने फरार हॉस्टल मालिक समेत तीन लोगों को गिरफ्तार दिखाया है। उनके खिलाफ गैर इरादतन हत्या, भवन के रखरखाव में लापरवाही बरतने और दूसरों की सुरक्षा खतरे में डालने के आरोप दर्ज किए गए हैं। वहीं दिल्ली की मुख्यमंत्री के निर्देश पर पांच अधिकारियों को निलंबित किया गया है। निलंबित किए गए अधिकारियों में दिल्ली नगर निगम के दक्षिण जोन के उपायुक्त, अधीक्षण अभियंता, अधिशासी अभियंता,सहायक अभियंता व कनिष्ठ अभियंता शामिल हैं। इतना ही नहीं, सरकार ने रविवार रात हुई घटना की मजिस्ट्रेटी जांच करने के भी आदेश दिए हैं। सवाल उठता है कि किसी जानलेवा हादसे के बाद ही ऐसी कार्रवाई करने की जरूरत क्यों पड़ती है? क्यों पहले ही बेगुनाह लोगों की जान से खिलवाड़ करने वाले भवनों की जांच करके मालिकों के विरुद्ध कार्रवाई नहीं की जाती? उन अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं होती, जिनका दायित्व रिहाइशी भवनों व्यावसायिक भवनों में बदलने की जांच करना होता है? इस मुद्दे पर दिल्ली हाईकोर्ट की टिप्पणी से सहमत हुआ जा सकता है, जो उसने इस मुद्दे पर दायर जनहित याचिका पर सोमवार की सुनवाई के दौरान की। दिल्ली हाईकोर्ट ने दो टूक शब्दों में कहा कि इस हादसे के लिये सिर्फ भवन मालिक ही नहीं, बल्कि दिल्ली नगर निगम और दिल्ली विश्वविद्यालय भी जिम्मेदार है। विश्वविद्यालय अन्य राज्यों से आने वाले छात्रों के लिये रहने के लिये जरूरी सुविधा देने में विफल रहा है। जिसके कारण छात्रों को निजी पेइंग गेस्ट यानी पीजी में रहने को मजबूर होना पड़ रहा है। अदालत ने संबंधित विभागों को दस दिनों के भीतर याचिका पर जवाब दाखिल करने को कहा है। यह दुखदायक ही कहा जाएगा कि दिल्ली में पालम, विवेक विहार, साकेत, मालवीय नगर के बाद अब सत्य निकेतन का दुखद हादसा सामने आया है।

> “ निलंबित किए गए अधिकारियों में दिल्ली नगर निगम के दक्षिण जोन के उपायुक्त, अधीक्षण अभियंता, अधिशासी अभियंता,सहायक अभियंता व कनिष्ठ अभियंता शामिल हैं। इतना ही नहीं, सरकार ने रविवार रात हुई घटना की मजिस्ट्रेटी जांच करने के भी आदेश दिए हैं। सवाल उठता है कि किसी जानलेवा हादसे के बाद ही ऐसी कार्रवाई करने की जरूरत क्यों पड़ती है? क्यों पहले ही बेगुनाह लोगों की जान से खिलवाड़ करने वाले भवनों की जांच करके मालिकों के विरुद्ध कार्रवाई नहीं की जाती? उन अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं होती, जिनका दायित्व रिहाइशी भवनों व्यावसायिक भवनों में बदलने की जांच करना होता है? इस मुद्दे पर दिल्ली हाईकोर्ट की टिप्पणी से सहमत हुआ जा सकता है

यह दुखद ही है कि दिल्ली में लगातार हो रहे हादसों की लिस्ट लगातार लंबी होती जा रही है। इन सभी दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं में एक बात समान है बेगुनाहों की मौत और असुरक्षित इमारतें, बिना मंजूरी के बदलाव, रिहायशी प्रॉपर्टी का व्यावसायिक इस्तेमाल और सबसे चिंताजनक नियम-कानून लागू करने में तंत्र की नाकामी। यह विडंबना ही है कि समाज में लोगों की मजबूरी का फायदा उठाकर पैसा कमाने की हवस इस हद तक बढ़ गई है कि वे किसी के जीवन व मृत्यु की भी परवाह नहीं करते। दूरदराज के राज्यों से अपने सुनहरे सपने लेकर दिल्ली आने वाले छात्र मजबूरी में मुंहमांगे दाम देकर अमानवीय स्थिति वाले पीजी में रहने को मजबूर हो जाते हैं। जब जर्जर इमारतों की स्थिति को नजरअंदाज करके चलताऊ निर्माण कार्य कराये जाते हैं तो हादसे का होना तय हो जाता है। हादसे का शिकार हुई सत्य निकेतन बिल्डिंग के लिये ग्राउंड फ्लोर और पहली मंजिल बनाने की अनुमति मिली थी। लेकिन नये प्लान की मंजूरी लिए बिना इसे पांच मंजिला बना दिया गया। क्या किसी एमसीडी के अधिकारी की नजर इस अवैध निर्माण पर नहीं गई होगी? जब दशकों पुरानी यह इमारत जमींदोज हुई तो तब कथित तौर पर इसमें अवैध रूप से रेनोवेशन का काम चल रहा था। देश की राजधानी में नियामक कानूनों या बिल्डिंग कोड की कमी नहीं है। सही मायने में कमी है तो बस उनके ईमानदारी से लागू करने की। सुरक्षित दिल्ली के लिये एक रोडमैप बनाने की जरूरत है। जिसमें पुरानी और ढांचागत रूप से बदली गई इमारतों का वार्ड के हिसाब से ऑडिट करने, खतरनाक इमारतों के मालिकों के खिलाफ तुरंत कार्रवाई करने, बिल्डिंग की मंजूरी का पारदर्शी रिकॉर्ड रखने और नियमों का उल्लंघन करने वाले अधिकारियों और मालिकों के लिये सख्त सजा का प्रावधान होना चाहिए। ट्रिपल इंजन सरकार वाली दिल्ली में यदि ऐसी त्रासदियां आम हो जाएं तो यह विडंबना ही है। कोशिश हो कि प्राथमिकता ऐसे हादसों को रोकना हो, न कि घटना के बाद प्रतिक्रिया देने का प्रपंच।

चीन के प्राथमिक लक्ष्य भारत पर केंद्रित न होने की वजहें

रियर एडमिरल राजा मेनन सेवानिवृत्त

हिमालयी युद्ध को गौण लक्ष्य मानना चीन की दूरगामी सुरक्षा रणनीति के तहत है। वह भारत से युद्ध में उलझकर अपने संसाधन व ध्यान नहीं बंटाना चाहता। वजह, चीन की मुख्य स्पर्द्धा अमेरिका से है। उसका ध्यान यूरेशिया, समुद्री व्यापार मार्गों व तकनीकी वर्चस्व पर है। भारत को दक्षिण एशिया में पाक से उलझाना भी समुद्री क्षेत्र से भटकाने के लिए है। सीमा पर छोटे-मोटे टकराव दबाव बनाने के लिए हैं।

चीन का उद्भव बिना तैयारी के नहीं हुआ है; यह एक सुसंगत बृहद रणनीति परिलक्षित करता है जिसका उद्देश्य समय के साथ संयुक्त राज्य अमेरिका के प्रभुत्व को कम करना है। वह रणनीति भौगोलिक रूप से चरणों में बंटी हुई है — पहले यूरेशिया और उन समुद्री मार्गों पर ध्यान केंद्रित करना जो चीन की अर्थव्यवस्था को कायम रखते हैं, न कि सीमावर्ती ज़मीनी युद्धों पर। इसके आलोक में देखें तो भारत के साथ हिमालयी सीमा एक गौण मुद्दा है। वहां पर बड़े पैमाने का युद्ध चीन को अपने मूल उद्देश्यों में आगे बढ़ने में बहुत कम मददगार रहेगा, और असल में, नुकसानदेह हो सकता है।

चीन के आधिकारिक दस्तावेज़ प्राथमिकता के क्रम का उतना ही खुलासा करते हैं जितना छिपाकर जता जाते हैं। 'नए दौर में चीन की राष्ट्रीय रक्षा' (2019) या 'सैन्य रणनीति दिशानिर्देश, राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (2015)', और एक के बाद एक आई पार्टी संसदीय रिपोर्टें सुरक्षा को शासन के अस्तित्व, तकनीकी स्वायत्तता और महा-शक्ति प्रतिस्पर्धा जैसे शब्दों में परिभाषित करती हैं। रणनीतिक दिशा स्पष्ट है : समुद्री आवाजाही मार्गों में बनने वाले जोखिम, ऊर्जा और व्यापार के पहुंच मार्गों की सुनिश्चितता और पश्चिमी प्रशांत क्षेत्र में अमेरिकी हस्तक्षेप को रोकने की क्षमता बनाना। भारत का नाम खतरे के तौर पर नहीं लिया गया है। यह कोई अनदेखी नहीं; प्राथमिकताओं का निर्धारण है।

चीन की समृद्धि समुद्री व्यापार पर निर्भर करती है जो असुरक्षित 'चोकपॉइंट्स' (संकरे समुद्री रास्तों) से होकर गुज़रता है-ये मलक्का जलडमरूमध्य से लेकर बृहद हिंद-प्रशांत क्षेत्र, होर्मुज़ जलडमरूमध्य और स्वेज़ नहर तक हैं। इसलिए, इसके सैन्य आधुनिकीकरण का ध्यान नौसैन्य शक्ति सुदृढ़ता, बाधित पहुंच/प्रतिबंधित क्षेत्र स्थिति का उपाय और अंतरिक्ष, साइबर एवं इलेक्ट्रोमैग्नेटिक स्पेक्ट्रम में क्षमताओं पर केंद्रित है। इसके समांतर, सरकारी आर्थिक कूटनीति का उद्देश्य निर्यात में प्रभुत्व, बुनियादी ढांचा निर्माण, सपंर्क सुविधाएं और वित्तीय निवेश के माध्यम से यूरेशिया को नया रूप देना है।

आज जहां लंदन की सड़कों पर दौड़ती एक लोकप्रिय कार लैंड रोवर का सस्ता चीनी संस्करण मौजूद है वहीं जर्मनी की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी फॉक्सवैगन हजारों कर्मचारियों की छंटनी करने की योजना बना रही है। बढ़ती लागत के मद्देनज़र, सीमेंस जैसी बहुराष्ट्रीय कंपनियां उत्पादन को चीन स्थानांतरित करने पर विचार कर रही हैं, जिससे उनके वित्तीय लाभ में तो सुधार हो जाएगा, लेकिन समाज को नुकसान पहुंचेगा। यह सब यूरेशिया में समुद्र नीत और पश्चिम नीत रणनीति की ओर इशारा करता है, न कि दक्षिण-नीत हिमालय में। उतना ही महत्वपूर्ण यह भी है कि बीजिंग किस चीज़ से बचना चाहता है : दो मोर्चों पर रणनीतिक दुविधा। उसकी मुख्य प्रतिस्पर्धा समुद्री क्षेत्र में अमेरिका के साथ है। भारत के साथ कोई बड़ा उपमहाद्वीपीय युद्ध शुरू करने से संसाधन और ध्यान बंट जाएंगे, बाहरी दखल बढ़ेगा और भारत को अमेरिका के और करीब आने का खतरा पैदा होगा- इससे वही गठबंधन विशेष मजबूत होगा, जिसे चीन कमजोर करना चाहता है। भारत के मामले में चीन की सैद्धांतिक चुप्पी का कारण डर नहीं, बल्कि समझदारी का हिस्सा है।

इसलिए, भारत को साधने के लिए चीन की नीति अपरोक्ष और किफायती तरीका अपनाती है। दशकों से, उसने व्यवस्थित रूप से पाकिस्तान की सैन्य क्षमता को मजबूत किया -जिसमें पारंपरिक युद्धक तंत्र,मिसाइल फोर्स, परमाणु क्षमता और उपग्रह प्रदत्त सुविधाओं तक पहुंच जैसी सहायक तकनीकें शामिल हैं। इसका मकसद यह यकीनी बनाना है कि भारत अपने सुरक्षा संबंधी गुणा-भाग का दायरा दक्षिण एशिया तक ही रखे और यह सुनिश्चित करना कि भारत का ध्यान लगातार अपनी पश्चिमी सीमा पर बना रहे। इससे समुद्री क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करने में भारत की क्षमता सीमित हो जाती है, जहां भूगोल उसे हिंद महासागर के अहम समुद्री मार्गों पर एक अपरोक्ष फायदा देता है-एक ऐसा लाभ जो, चरम स्थिति में, चीन की ऊर्जा जीवनरेखा और समृद्धि के लिए खतरा बन सकता है। 1962 का युद्ध पूर्व उदाहरण पेश करता है। चीन ने सीमित राजनीतिक लक्ष्य हासिल किए और फिर एकतरफा तौर पर पीछे हट गया। सार्वजनिक किए गए सरकारी दस्तावेज बताते हैं कि युद्ध से छह महीने पहले माओ ने अपने सेना कमांडर को बुलाकर चार शब्दीय निर्देश दिया था: 'भारत को सबक सिखाओ'। सबक क्या था? माना जाता है, 'कन्फ्यूशियस संहिता' के अनुसार भारत को उसकी 'जगह दिखाना', न कि इलाके पर कब्जा। आज, लद्दाख जैसे इलाकों में, चीन पहले से ही उस जमीन पर नियंत्रण रखे हुए है, जिसे वह रणनीतिक रूप से अहम मानता है। प्रभुत्व बनाने का सिद्धांत हिमालयी सीमा पर और बड़े पैमाने पर इलाके पर कब्जे की जरूरत का संकेतक नहीं है।

मौजूदा भंगिमाएं निरंतर इस नजरिए को दर्शाती हैं। पीपुल्स लिबरेशन आर्मी 'स्थानीय युद्ध' जैसी स्थिति में सीमित, फुर्तीले और कम समय तक चलने वाले टकराव की तैयारी कर रही है-जिसका मकसद बातचीत के दौरान दबाव बनाना, लड़ाई रोकना और अपनी शर्तों पर बातचीत करवाना है। तिब्बत में बुनियादी ढांचा निर्माण और समय-समय पर आमने-सामने की स्थिति पैदा करना मोल-भाव करने की ताकत को बढ़ाता है। बाकी सभी देशों के उलट, चीन की युद्ध संबंधी मुख्य रणनीति विरोधी को धोखे में रखना है। भारत की ज़मीन में घुसपैठ का खतरा भी ठीक इसी रणनीति का हिस्सा है।

यूरेशिया से बाहर चीन के अनुभव ने उसकी सावधानी को और बढ़ाया है। लैटिन अमेरिका, खासकर वेनेजुएला जैसे इलाकों में कदम रखने से उन्हें पता चला कि अमेरिका के पारंपरिक प्रभाव वाले क्षेत्र में ज़रूरत से ज़्यादा दखल के क्या खतरे हो सकते हैं। आर्थिक जोखिम और राजनीतिक अस्थिरता ने उन्हें एक सरल सबक सिखाया है: बृहद वैश्विक मुकाबलों के बारे में सोचने से पहले यूरेशिया और आस-पास के समुद्रों में अपना प्रभाव पुख्ता करो। अमेरिका के दबदबे को चुनौती देने की उनकी योजना इसलिए चरणों में बंटी हुई और सीमित है।

हिमालय में फुल स्केल वॉर इस तर्क के उलट जाता है। इससे आर्थिक स्थिरता बिगड़ेगी, टकराव अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर फैल जाएगा और बाहरी ताकतों के इसमें शामिल होने का खतरा पैदा हो जाएगा। इससे यूरेशिया में स्थिरता लाने वाली आर्थिक ताकत के तौर पर चीन ने अपनी जो छवि बहुत मेहनत से बनाई है, उसे नुकसान पहुंचेगा। सबसे बड़ी बात यह है कि इससे प्रतिद्वंद्विता के मुख्य मंच-यानी समुद्री और तकनीकी प्रतिस्पर्धा, जो इक्कीसवीं सदी में ताकत का संतुलन तय करेगी-उससे ध्यान भटक जाएगा। बीजिंग की ज़मीनी रणनीति यह है कि हथियारों से लैस पाकिस्तान के ज़रिए भारत को उलझाए रखो और भारत को समुद्री ताकत के तौर पर मज़बूत होने से रोको। निष्कर्ष सीधा है।

चीन एक बृहद रणनीति सोचे हुए है और वह अपनी प्राथमिकताओं को लेकर अनुशासित है। वह उन जगहों पर ध्यान साधकर करके अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था का स्वरूप बदलना चाहता है जहां दांव सबसे बड़ा है : यूरेशिया और समुद्री क्षेत्र। इस योजना के अंदर, भारत एक ऐसा अवयव है जिसे काबू में रखना और संभालना है, न कि मुख्य दुश्मन।

हिमालयी क्षेत्र में युद्ध चीन को अपने लक्ष्यों को आगे बढ़ाने के बजाय उसे नुकसान पहुंचाएगा। अंतिम विश्लेषण में, बृहद मुकाबले वाले परिदृश्य में उसके लिए यह कम ध्यान देने योग्य मुद्दा है।

लेखक पूर्व सहायक नौसेना प्रमुख हैं।

एआई 'बूम' बढ़ते कर्ज के बोझ से 'बबल' साबित न हो जाए

रुचिर शर्मा

अमेरिका के बढ़ते कर्ज को लेकर 1970 के दशक से ही चेतावनियां दी जा रही हैं, लेकिन कोई भी चेतावनी सच साबित नहीं हुई। अलबत्ता अब बेलगाम बढ़ता कर्ज मायने रखने लगा है। पिछले महीने इसने दुनिया भर में सरकारी बॉन्ड की बिकवाली शुरू करा दी। और इसका पहला ठोस असर यह हो सकता है कि अमेरिकी बॉन्ड पर बढ़ती ब्याज दरें एआई की तेजी पर ब्रेक लगा दें।

इतिहास में झांककर देखें तो पाएंगे कि हर बड़े इकोनॉमिक-बबल का अंत तभी हुआ था, जब उसके केंद्र में मौजूद कंपनियों के लिए कर्ज की लागत काफी बढ़ गई थी। इसमें 1800 के दशक में सामने आए रेलवे-संकट भी शामिल हैं। पिछली सदी में, केंद्रीय बैंकिंग के दौर में सभी बड़े बुलबुले तब फूटे, जब केंद्रीय बैंकों ने अपनी अल्पकालिक उधारी दरों में तेज बढ़ोतरी की।

पर इस बार स्थिति अलग है। आम तौर पर बाजार में उन्माद के दौरान कंपनियां तेजी से लोकप्रिय हो रहे निवेश के क्षेत्र में और पैसा लगाने के लिए भारी कर्ज लेना शुरू कर देती हैं। तेजी के माहौल से महंगाई बढ़ती है, ब्याज दरें ऊपर जाती हैं और बुलबुला फूट जाता है। इसके बाद सरकारें सामने आती हैं और प्रभावित कंपनियों के कर्ज की जिम्मेदारी अपने पर लेते हुए कमजोर पड़ चुकी अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए खुद कर्ज लेती हैं।

हाल के दशकों में सरकार की भूमिका बदलकर अच्छे आर्थिक दौर में भी लगातार प्रोत्साहन देने की हो गई है। 2008 के काफी समय बाद तक भी सरकार तेजी से कर्ज बढ़ाती रही। इस दशक में अमेरिका का बजट घाटा जीडीपी के करीब 6 प्रतिशत रहा है- जो इससे पहले के दशकों के औसत से दोगुने से भी अधिक है।

इस अवधि में कंपनियों ने बहुत अधिक नया कर्ज लेने से परहेज किया। केवल पिछले एक साल में टेक्नोलॉजी की बड़ी हाइपरस्केलर कंपनियों ने भारी कर्ज जुटाना शुरू किया है, ताकि बड़े पैमाने पर एआई इंफ्रास्ट्रक्चर के विस्तार की फाइनेंसिंग की जा सके। अधिक कर्ज लेने का असर सरकारी खातों पर पड़ा है। और समस्याएं वहीं से शुरू होती हैं।

एक गंभीर चेतावनी सार्वजनिक कर्ज पर दिए जाने वाले ब्याज से मिलती है, जो पिछले पांच वर्षों में दोगुने से भी अधिक बढ़कर जीडीपी के 3 प्रतिशत से ऊपर पहुंच गया है। यह अमेरिका के लिए एक नया रिकॉर्ड है और किसी भी बड़ी विकसित अर्थव्यवस्था में ब्याज भुगतान के उच्चतम स्तर तक हुई सबसे तेज वृद्धि है।

सरकारी वित्त को लेकर बढ़ती चिंता- ऊर्जा की तेजी से बढ़ती कीमतों समेत अन्य फैक्टरों के साथ मिलकर- दुनियाभर में सरकारी बॉन्ड की यील्ड को ऊपर ले गई है। ऊंची ब्याज दरों का यह माहौल एआई कंपनियों की उधारी लागत भी बढ़ा रहा है।

एआई बूम में एक बुलबुले के कई लक्षण मौजूद हैं। ब्याज दरें उस स्तर तक पहुंचने तक यह बुलबुला फूलता रहेगा, जहां कर्ज लेना बेहद महंगा हो जाए। मेरी रिसर्च बताती है कि दस-वर्षीय अमेरिकी ट्रेजरी बॉन्ड की यील्ड लंबी अवधि की उधारी लागत के लिए वैश्विक बेंचमार्क है और फिलहाल 4.8 प्रतिशत पर है।

जब यह 5 प्रतिशत के स्तर को पार कर जाएगी, तो एआई बुलबुला फूट सकता है। यह सख्त मौद्रिक दौर की शुरुआत का संकेत होगा, जिसमें एआई की बड़ी परियोजनाओं के लिए पैसा जुटाना कठिन हो जाएगा। जब बड़ी टेक कंपनियों को पूंजी के लिए ऐसी सरकार से प्रतिस्पर्धा करनी पड़ेगी, जो अपने बॉन्ड पर 5 प्रतिशत से अधिक यील्ड दे रही हो, तो कई कंपनियां कर्ज बाजार से बाहर हो सकती हैं।

इस साल एआई के इस्तेमाल से अनुमानित सालाना राजस्व करीब 200 अरब डॉलर है, जबकि कंपनियां डेटा सेंटर और दूसरे इंफ्रास्ट्रक्चर पर 1 ट्रिलियन डॉलर से अधिक खर्च कर रही हैं। इस अंतर को पाटने के लिए कंपनियां नए बॉन्ड और इक्विटी जारी करने पर निर्भर हो रही हैं।

अंदेशा है कि अमेरिका पर बढ़ते कर्ज का बोझ उसकी महाशक्ति की हैसियत को कमजोर कर सकता है और दुनिया की रिजर्व करेंसी के रूप में डॉलर का ताज छीन सकता है। लेकिन अमेरिका के प्रमुख प्रतिद्वंद्वी भी कर्ज के मोर्चे पर ऐसी ही समस्याओं से जूझ रहे हैं। फिलहाल, जिस बात पर नजर रखने की जरूरत है, वह है दस-वर्षीय ट्रेजरी की यील्ड कितनी तेजी से 5 के पार जाती है और इससे एआई बूम पर कितना खतरा पैदा होता है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

देशज ज्ञान में हैं संकट से बचाव के उपाय

वीरेंद्र कुमार पैन्यूली

हिमालयी विकास केवल विज्ञान और टेक्नोलॉजी का विषय नहीं है। यह ज्ञान, अनुभव व पारंपरिकता का भी विषय है। वहां के रहने वाले अपने-अपने स्तर पर जिन तौर-तरीकों से बचे रहना चाहते हैं, उन पर अपना विज्ञान न थोपें। जिन तरीकों से वे सफलता से बचे रह रहे हैं, हिमालय से कम-से-कम संसाधन लेते हुए उनके पीछे के विज्ञान को समझिए। तब उनके लिए मददगार वातावरण बनाएं।

हम हिमालय या अन्यत्र भी प्राकृतिक संसाधनों का जितना उपभोग या अपव्यय कर रहे हैं, उतना प्राकृतिक रूप से पैदा नहीं हो रहा है। जैव विविधता के मामले में उपभोग या पर्यावरणीय आघातों से जो जैविक जातियां-प्रजातियां संकट में पहुंच गई हैं या समाप्त हो गई हैं, उनकी भरपाई मुश्किल है। क्षेत्रीय आधार पर तो कई जड़ी-बूटियां अतिदोहन के बाद स्थापित ही नहीं हो रही हैं। यह ईकोसिस्टम सेवा क्षमताओं व प्रवाहों पर प्रतिकूल असर डालता है। कई रणनीतियों या चल रहे कार्यक्रमों को मौसम में हो रहे बदलाव प्रभावित कर रहे हैं।

किसी आपदा के बाद जब सरकार अध्ययन कराने की बात करती है, तो वह राजनीतिक रूप से उस समस्या को टालने की प्रक्रिया होती है। जैसे तब तक बरसातें रुक जाती हैं या जंगलों में लगी आग मौसमी कारणों से बुझ जाती हैं। सड़कों के एलाइनमेंट के मामले में भी ऐसा होता है। राजनेता उन क्षेत्रों में सड़क ले जाने के लिए वोट बैंक के कारण दबाव डालते रहते हैं, जिन क्षेत्रों में सड़क ले जाने से जलस्रोतों और वनों को हानि पहुंच सकती है या नए भूस्खलन क्षेत्र बन सकते हैं।

नदी से दूर निर्माण करने के सुझाव ही नहीं माने जाते हैं। इसके लिए तो राजनीतिज्ञ इस हद तक जा सकते हैं कि वे उन सभी दलीलों को जुटा देते हैं, जिनसे बुग्यालों को बुग्याल मानने से ही इनकार कर दिया जाए। नदियों की चौड़ाई पर ही सवालिया निशान लगा देते हैं। बांध जलाशय बन गए तो उनमें मनमाने स्तर तक पानी भरवाने में गुरेज नहीं करते या उस तथ्य की अनदेखी कर देते हैं। इस समय दस राष्ट्रों और लगभग 1.90 अरब लोगों को हिमालय से सेवाएं मिलती हैं। स्थानीय लोगों के ईकोसिस्टम संबंधी ज्ञान का लाभ नहीं लिया जा रहा है। यदि स्थानीय समुदाय को काम दिया जाए और उनकी भागीदारी सुनिश्चित हो तो ईकोसिस्टम के पुनर्वास की कीमत कम हो सकती है। नई टेक्नोलॉजी से होने वाले नुकसान कम किए जा सकते हैं और आर्थिकी व पारिस्थितिकी, दोनों को मदद मिल सकती है। पारंपरिक बीज संरक्षण की जानकारी स्थानीय समुदाय आपको दे सकता है। यह पहाड़ी खेती में जलवायु परिवर्तन के प्रति अधिक सहनशीलता और अनुकूलन क्षमता ला सकता है।

आपदाओं के बीच बचे रहने के लिए स्थानीय स्तर के ज्ञान, तकनीकों व अनुभवों का डॉक्यूमेंटेशन और सामयिक उपयोग करने से भविष्य में स्थानीय समुदायों में ज्ञान-कौशल की कुछ विशिष्टताएं भी पनप सकती हैं। बाहरी जगत से संपर्कों के अभाव में दुर्गम क्षेत्रों में अपनी सुरक्षा व रोजमर्रा की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए उन्हें आविष्कार व नवाचार करने ही पड़ते हैं। दुरूह, दुर्गम पहाड़ों में रहने वाले लोगों के लिए पीढ़ियों व सदियों से वहां विपरीत परिस्थितियों में भी जिंदा रहने के लिए स्थानीय स्तर पर काम के तौर-तरीकों, औजारों व ज्ञान को विकसित करना और सहेजना आवश्यक रहा है। ऐसे उदाहरण भी हैं, जब भूकम्पों में भी पीढ़ियों पुराने पहाड़ी मकान या अन्न भंडारण संरचनाएं बची रह जाती हैं। या सूखा, अकाल या अन्य मौसम की मारों के बीच भी स्थानीय लोग पहाड़ों के खेतों व जंगलों में कुछ ऐसा पैदा हुआ पहचान लेते हैं, जिसे स्थानीय निवासी बचे रहने के लिए खा सकते हैं। पहाड़ी आपदाओं से बचाव व राहत में इनसे मदद मिल सकती है।

इस तरह का देशज ज्ञान स्थानीय स्तर पर पीढ़ी-दर-पीढ़ी झेली जाने वाली प्राकृतिक आपदाओं के संदर्भों व अनुभवों से ही उपजता है। इसे पिछली पीढ़ियां आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचा देती हैं। अब ऐसे ज्ञान की थाती की निरंतरता बनाए रखना मुश्किल हो रहा है। पहाड़ों से भारी मात्रा में पलायन भी इसका एक कारण है। बाजारी व्यवस्थाओं से ही जरूरतों के पूरा होने तथा कई प्रकार के प्रतिबंधों के कारण प्राकृतिक क्षेत्रों व संसाधनों से लोगों का दुराव होने के कारण भी पर्वतीय समुदाय के प्रकृति को समझने के अवसरों में कमी आई है। इससे प्रासंगिक आपदा प्रबंधन के देशज ज्ञान की थाती भी सिमटी है।

भूगर्भ वैज्ञानिकों के अनुसार हिमालयी पहाड़ संवेदनशील संतुलन में हैं। यहां आपदाओं से सहज प्रभावित होने वाली संरचनाएं हैं। भू-उपयोग परिवर्तन भूपारिस्थितिकी, भू-संस्कृति और लोगों की मांगों व पसंद में भी अंतर ला रहा है। स्थानीय लोग जब बाहर की चीजें मांगेंगे तो निर्भरता बढ़ेगी। जब बादल फटता है या भीषण बरसात आती है, तो सड़कों की मोड़दार, तेज ढालों से पानी के बहाव और उसकी शक्ति में अप्रत्याशित तेजी आती है। इससे नीचे के मकानों, खेतों, मैदानों और सूखे नालों में बजरी, पत्थर व मलबा भारी मात्रा में आकर नुकसान कर देता है। सड़कों को पहाड़ों से काटते वक्त पहाड़ों का स्थिर प्राकृतिक ढलान बिगड़ जाता है। ये अस्थिर ढलान बादल फटने के समय लगातार भूस्खलन वाले क्षेत्र बन जाते हैं। हिमालयी विकास केवल विज्ञान और टेक्नोलॉजी का विषय नहीं है। यह ज्ञान, अनुभव व पारंपरिकता का भी विषय है। वहां के रहने वाले अपने-अपने स्तर पर जिन तौर-तरीकों से बचे रहना चाहते हैं, उन पर अपना विज्ञान न थोपें। जिन तरीकों से वे सफलता से बचे रह रहे हैं, हिमालय से कम-से-कम संसाधन लेते हुए उनके पीछे के विज्ञान को समझिए। तब उनके लिए मददगार वातावरण बनाएं।

लेखक पर्यावरण वैज्ञानिक हैं।

अनाम साथियों के नाम

युवाओं की संगत में पता चलता है कि ट्रेंड क्या चल रहा है, वे 'खुद की, जग की' क्या सोच रहे हैं। मध्यम शहरों के उच्च-मध्यम और बड़े शहरों के मध्यम वर्ग के युवाओं के व्यक्तिगत जीवन में, जिसे वे अब आसानी से शेयर कर लेते हैं, फ्रेंड, ब्रेक-अप, लिव-इन, एकल जीवन, शादी/बच्चे करें या न करें, जैसे सवाल अहम होते गए हैं। वे अपने सिस्टम पर बैठे ग्लोबल दुनिया के सदस्य हैं, जिन पर राजेन्द्र गौतम की पंक्तियां हैं—'हमने शब्द लिखा था—'रिश्ते'/ अर्थ हुआ बाज़ार। 'कविता' के माने खबरें हैं/ 'संवेदन' व्यापार। भटकन की उंगली थामे हम/ विश्वग्राम तक आए।' सोमवार से शुक्रवार की शाम तक ताबड़तोड़ काम, फिर वीक-एंड पर बस चिल, कहें तो वर्क-अल्कोहॉलिक डूड।

दूसरी तरफ मेरी नज़र मुझसे बेहतर-युवा विकल्पों की ओर रहती है। मैंने पाया कि युवाओं में बहुत अच्छी समझ के साथ पढ़ने वाले और शुरुआती दौर में ही स्तरीय लिखने वाले अनेक हैं। ऐसा लगता है कि सिर्फ़ अपना लिखा पढ़ाने को और अपनी बात सुनाने को व्यग्र हों तो आपके लिए पाठक-श्रोताओं का टोटा है, मगर आप नई चीज़ सुनने और पढ़ने को तैयार, बल्कि उत्सुक हैं, फिर देखिए, आप पाएंगे कि भविष्य की रचनात्मकता को लेकर आपकी सारी निराशा दूर हो जाएगी।

आप समूह में बैठे हों, वहां अधिकतर आपसे बड़े लोग हैं और आपको लगता है कि जो बातें हो रही हैं, वे अनावश्यक, निरर्थक हैं, छोटे होने के कारण आप बीच में बोल-टोक नहीं पाते और न चाहते हुए भी चुप रहकर सुनते रहते हैं। ऐसी स्थिति में बातों का सिलसिला आपके अनुसार हो तो बातों के बीच उससे जुड़ी अपनी जिज्ञासा, प्रश्न या विनम्र असहमति-आपत्ति रखें। इससे बड़ों को बुरा नहीं लगेगा। वे मानेंगे कि तुम्हें नहीं आता, तुम उनसे पूछ रहे हो, समझना चाहते हो और फिर उनकी बातचीत की दिशा उस ओर मुड़ जाती है, जैसा आप चाहते हैं। साथ ही यह भी याद करने की कोशिश करें कि जब बातचीत में मुख्य भूमिका आपकी होती है, बातचीत की कमान आपके हाथों होती है, तब हम किस तरह के विषयों पर क्या बात करते हैं।

वापस युवाओं पर, जिनसे बातचीत में कुछ ऐसे भी होते हैं, जो जीवन का उद्देश्य, सृष्टि का रहस्य और स्वयं के अस्तित्व पर जिज्ञासु, चर्चा-उत्सुक होते हैं। ऐसे ही शाश्वत प्रश्न हैं, जिनका समाधान नहीं हो पाया है, मगर विचार-चिंतन सभी ने किया है। तब यहीं से धर्म-अध्यात्म और दर्शन विकसित होता है।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544
www.onlytds.com

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें...

जन्म-मृत्यु पंजीयन हेतु अंतर्विभागीय समन्वय समिति की बैठक संपन्न

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह द्वारा जन्म-मृत्यु पंजीयन की अंतर्विभागीय समन्वय समिति की बैठक सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागृह में ली गई जिसमें सभी सदस्यों एवं उपस्थित रजिस्ट्रार को जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र अनिवार्य रूप से 21 दिवस के भीतर प्रदाय करने एवं एक वर्ष से अधिक विलंबित पंजीयन हेतु कार्यपालिक दंडाधिकारी के आदेश उपरांत पंजीयन करने हेतु निर्देशित किया गया। जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र के विधिक दस्तावेज के रूप में महत्वपूर्ण होने के कारण इसे गंभीरता से लेने एवं किसी भी प्रकार की लापरवाही में कठोर कार्यवाही की जाएगी। जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र में संशोधन हेतु आ रहे आवेदनों/शिकायतों पर स्पष्ट किया गया कि जन्म-मृत्यु प्रकरणों के तिथि या स्थान में किसी भी प्रकार का संशोधन नही किया जा सकता।

रेल एवं स्ट्रक्चरल मिल में शिरोमणि पुरस्कार समारोह आयोजित

भिलाई। इस्पात संयंत्र के रेल एवं स्ट्रक्चरल मिल विभाग में शिरोमणि पुरस्कार समारोह का आयोजन किया गया। शिरोमणि पुरस्कार योजना के अंतर्गत उत्कृष्ट एवं अनुकरणीय कार्य निष्पादन के लिए विभाग के तीन कार्मिकों का कर्म शिरोमणि पुरस्कार हेतु चयन किया गया। पुरस्कृत कार्मिकों में जूनियर इंजीनियर झाबेन्द्र भूषण दास, इंजिनीयरिंग एसोसिएट रोशन लाल साहू एवं इंजिनीयरिंग एसोसिएट एस भास्कर राव शामिल हैं। समारोह में चयनित कार्मिकों को मुख्य महाप्रबंधक टी दस्तीदार द्वारा स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। साथ ही, उनके जीवनसाथियों को प्रशंसा पत्र एवं मिठाई का कूपन प्रदान किया गया।

57 दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठजनों का हुआ पंजीयन

भिलाई। जिला प्रशासन एवं समाज कल्याण विभाग दुर्ग के सहयोग से एग्रीकल्चर इन्श्योरेंस कंपनी ऑफ इंडिया लिमिटेड के शिविर आयोजित किया गया। आयोजित शिविर में कुल 57 दिव्यांगजनो एवं वरिष्ठजनों का पंजीयन किया गया जिसमें से दिव्यांगजनों हेतु सामाग्री - मोटराईज्ड ट्रायसायकल, ट्रायसायकल, बैसाखी, व्हील चेयर, तथा वरिष्ठजनों हेतु श्रवण यंत्र, कमोड चेयर आदि उपकरणों को सहित कुल-138 सामाग्रियों के लिए चिन्हांकित किया गया।

जांच के लिए दंडाधिकारी नियुक्त

दुर्ग। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी दुर्ग द्वारा मृतक सिद्धार्थ ढोल पिता शंकर ढोल निवासी पंचशील नगर चरोदा की मृत्यु की दण्डाधिकारी जांच हेतु अनुविभागीय दण्डाधिकारी भिलाई-3 को जांच अधिकारी नियुक्त किया गया है। उक्त के संबंध में जानकारी रखने वाले व्यक्ति 18 सितम्बर 2026 को कार्यालय अनुविभागीय दण्डाधिकारी भिलाई-3 के न्यायालय में कार्यालयीन समय में स्वयं उपस्थित होकर मौखिक या अभिलेखी साक्ष्य प्रस्तुत कर सकते हैं।

जवाहर मार्केट के व्यापारियों व निगम अधिकारियों की बैठक, उन्नयन कार्य को लेकर चर्चा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। जवाहर मार्केट के समुचित एवं व्यवस्थित उन्नयन को लेकर सोमवार को 7 सितंबर 2026 को मार्केट के व्यापारियों एवं नगर पालिक निगम भिलाई के अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में निगम अफसरों ने जवाहर मार्केट के विकास एवं उन्नयन कार्य से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर व्यापारियों के साथ विस्तारपूर्वक चर्चा की गई।

बैठक में वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन, महापौर नीरज पाल, नगर निगम भिलाई आयुक्त सुरुचि सिंह, जोन 3 अध्यक्ष जालंधर सिंह, वार्ड क्रमांक 38 पार्षद पियूष मिश्रा, वार्ड क्रमांक 37 के पार्षद मन्नान गफ्फार खान, परियोजना कार्यपालन अभियंता नितेश मेश्राम एवं चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष अजय भसीन, सहायक अभियंता श्वेता वर्मा, उप अभियंता रीमा जामुलकर, व्यापारी संघ पदाधिकारी सहित निगम के अधिकारी तथा जवाहर मार्केट के व्यापारी उपस्थित रहे।

व्यापारियों से उनकी समस्याओं एवं अपेक्षाओं पर चर्चा

बैठक के दौरान मार्केट के वर्तमान स्वरूप, व्यापारियों की आवश्यकताओं तथा नागरिकों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए उन्नयन कार्य को बेहतर एवं व्यवस्थित रूप से पूर्ण करने के संबंध में सुझाव लिए गए। व्यापारियों से उनकी समस्याओं एवं अपेक्षाओं पर चर्चा करते हुए आवश्यक सुझाव भी प्राप्त किए गए। जनप्रतिनिधियों एवं निगम अधिकारियों ने कहा कि जवाहर मार्केट के उन्नयन का उद्देश्य व्यापारियों के साथ-साथ आम नागरिकों को भी बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना है। मार्केट में आवश्यक मूलभूत सुविधाओं, सुव्यवस्थित आवागमन एवं बेहतर वातावरण को ध्यान में रखते हुए विकास कार्यों को आगे बढ़ाया जाएगा। बैठक में प्राप्त सुझावों एवं आवश्यकताओं के आधार पर जवाहर मार्केट के उन्नयन कार्य को योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़ाने पर सहमति बनी।

धान बेचने एग्रीस्टेक पंजीयन अनिवार्य, सिंह ने दिए लंबित बिजली बिल भुगतान का निर्देश

- कलेक्टर अभिजीत सिंह ने ली समय-सीमा प्रकरणों की समीक्षा बैठक

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा की बैठक में विभागीय प्रकरणों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को समयबद्ध एवं पारदर्शी कार्यप्रणाली सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। उन्होंने एग्रीस्टेक बटेक क्लेम पंजीयन पर जोर देते हुए राजस्व एवं सीसीबी के अधिकारियों को शिविर आयोजित कर छुटे हुए किसानों का पंजीयन कराने के निर्देश दिये।

उन्होंने कहा कि सभी सह खातेदार (सह-स्वामियों) का पंजीयन अवश्य कराएं। धान विक्रय हेतु एग्रीस्टेक पंजीयन अनिवार्य है। संयुक्त खातेदारों में सभी सदस्यों का पंजीयन जरूरी है। पंजीयन के अभाव में मुख्य खातेदार भी धान नहीं बेच पाएंगे। उन्होंने विभागों में लंबित बिजली बिल की जानकारी ली। साथ ही अधिकारियों को लंबित बिजली बिल का भुगतान विद्युत विभाग को शीघ्र करने के निर्देश दिये।

किसी भी कार्यालय में नहीं कटनी चाहिए बिजली

कलेक्टर सिंह ने कहा कि जिले के नगरीय निकाय विगत माह की बिजली बिल के साथ लंबित बिलों के किस्ते भी जमा करते जाएं। जिले की किसी भी विभाग के कार्यालय में बिजली कटने की स्थिति नहीं आनी चाहिए। कलेक्टर ने ग्राम पंचायतों में लंबित राजस्व प्रकरणों के निराकरण पर जोर देते हुए सीईओ जिला पंचायत को प्रकरण के निराकरण में प्रगति लाने आवश्यक पहल करने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने कहा कि ई-ऑफिस प्रक्रिया के तहत फाइल मुवमेंट में अधिक समय न लगाएं, अधिकारी स्वयं फाईल निपटाये। उन्होंने कहा कि पंचायत, राजस्व एवं नगरीय निकायों के साथ सभी विभागों के विकासखण्ड स्तरीय कार्यालयों में भी ई-ऑफिस प्रक्रिया प्रारंभ किया जा रहा है। संबंधित अधिकारी-कर्मचारी प्रक्रिया के तहत ऑनबोर्ड होना सुनिश्चित करें। उन्होंने कार्यालयों में अधिकारी-कर्मचारियों की समय पर बायोमेट्रिक्स अटेंडेंस पर जोर देते हुए शासन द्वारा कार्यालय में उपस्थिति हेतु निर्धारित समय पर उपस्थिति सुनिश्चित किया जाए। आने वाले दिनों में शासन स्तर पर मॉनिटरिंग होनी है। इस दौरान उपस्थिति के संबंध में किसी भी प्रकार के कार्यवाही के लिए अधिकारी-कर्मचारी स्वयं जिम्मेदार होंगे।

ई-एचआरएमएस के क्रियान्वयन की भी ली जानकारी

कलेक्टर ने ई-एचआरएमएस के क्रियान्वयन की भी जानकारी ली। जिन विभागों में ई-एचआरएमएस की प्रक्रिया पूर्ण नहीं हुई है, उन्हें एनआईसी से संपर्क कर जानकारी प्राप्त करते हुए कार्यवाही शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिये। बैठक में अवगत कराया गया कि विभागवार ई-एचआरएमएस डाटा अपडेट करने हेतु रोस्टर बनायी गई है, जिसके अंतर्गत विभाग के नोडल अधिकारी के साथ एक डाटा एन्ट्री ऑपरेटर को एनआईसी दुर्ग में निर्धारित तिथि में उपस्थिति सुनिश्चित करने कहा गया है। बैठक में आयुष्मान कार्ड, वयवंदन कार्ड की प्रगति एवं सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना की अद्यतन स्थिति की भी समीक्षा की गई। बैठक में नगर निगम भिलाई की आयुक्त सुरूचि सिंह, दुर्ग निगम आयुक्त लीना कोसम, अपर कलेक्टर योगिता देवांगन, एडीएम विरेन्द्र सिंह, जिला पंचायत सीईओ बीके दुबे, अपर कलेक्टर हरवंश सिंह मिरी व सिल्ली थामस सहित सभी विभागों के जिला प्रमुख अधिकारी उपस्थित थे।

भिलाई निगम चुनाव : कला मंदिर में कल होगा वार्डों का आरक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र में आगामी वार्ड आरक्षण की प्रक्रिया को लेकर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। वार्ड आरक्षण की प्रक्रिया 9 सितम्बर 2026 बुधवार को सुबह 11.00 बजे कला मंदिर, सिविक सेंटर सेक्टर-06 में आयोजित की जाएगी। प्रक्रिया को व्यवस्थित एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के लिए निगम प्रशासन द्वारा आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं।

निगम आयुक्त सुरूचि सिंह ने अधिकारियों को बैठक स्थल पर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि आरक्षण प्रक्रिया के दौरान आम नागरिकों एवं पत्रकारों के लिए अलग से बैठने की व्यवस्था की जाए, ताकि पूरी प्रक्रिया को सुगम तरीके से देखा और समझा जा सके। नगर निगम प्रशासन द्वारा वार्ड आरक्षण की प्रक्रिया को पूरी पारदर्शिता के साथ संपन्न कराने की तैयारी की जा रही है। बैठक स्थल पर आवश्यक व्यवस्थाओं के साथ प्रक्रिया के दौरान उपस्थित नागरिकों एवं मीडिया प्रतिनिधियों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जाएगा।

जामुल नगर पालिका के वार्डों का आरक्षण 17 को

जामुल नगर पालिका परिषद के आगामी निर्वाचन के लिए आरक्षण संबंधी प्रक्रिया निर्धारित की गई है। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने अवगत कराया कि छत्तीसगढ़ नगर पालिका नियम, 1994 के अधीन नगर पालिक परिषद जामुल के वार्ड आरक्षण की कार्यवाही 17 सितम्बर 2026 को पूर्वाह्न 11 बजे कलेक्ट्रेट सभाकक्ष, दुर्ग में आयोजित की जाएगी।

भिलाई स्टील प्लांट में ट्रेड अप्रेंटिस के लिए बीएमडीसी प्राइड स्पर्धा का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। प्रबंधन विकास केंद्र (बीएमडीसी) द्वारा ट्रेड अप्रेंटिस के बीच सीखने, नवाचार, आत्मविश्वास तथा व्यावसायिक विकास को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से 'बीएमडीसी प्राइड प्रतियोगिता' के द्वितीय संस्करण का आयोजन किया गया।

प्रतियोगिता ने ट्रेड अप्रेंटिस को बीएमडीसी में अपने कार्यकाल के दौरान किए गए कार्यों, अर्जित सीख तथा योगदान को प्रस्तुत करने के लिए एक मंच प्रदान किया। इस पहल का उद्देश्य अप्रेंटिस के बीच ज्ञान साझा करने, कौशल विकास तथा प्रदर्शन आधारित सहभागिता को बढ़ावा देना है। प्रत्येक चक्र के विजेता को 'बीएमडीसी प्राइड' की उपाधि के साथ चलित प्राइड बैज — परफॉर्मेंस, रिस्पॉन्सिबिलिटी एंड इनिशिएटिव इन डेवलपमेंट एक्सीलेंस, प्रमाण-पत्र एवं उपहार प्रदान किया जाता है।

प्रतियोगिता की परिकल्पना बीएमडीसी के महाप्रबंधक सौरभ वर्ष्णेय द्वारा की गई। इसे विभागाध्यक्ष एवं महाप्रबंधक प्रभारी संजीव कुमार श्रीवास्तव का अनुमोदन एवं आवश्यक सहयोग प्राप्त हुआ। प्रतियोगिता का मूल्यांकन निर्णायक मंडल द्वारा किया गया, जिसमें उप महाप्रबंधक स्वाति प्रदीप, सहायक महाप्रबंधक अरुणेश शर्मा एवं उप प्रबंधक शालिनी चौरसिया शामिल थे।

भिलाई नगर में 6.74 करोड़ के विकास कार्यों को मिली अनुमति

भिलाई। नगर विधानसभा में विकास को नई रफ्तार मिली है। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एवं वरिष्ठ भाजपा नेता प्रेम प्रकाश पाण्डेय के प्रयासों से लगभग 6.74 करोड़ रुपए के विकास कार्यों के लिए ई-प्रोक्योरमेंट निविदा प्रक्रिया शुरू की गई है। छत्तीसगढ़ राज्य कृषि विपणन (मंडी) बोर्ड, नया रायपुर ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिया है। इन कार्यों में दरी तालाब, मंगल बाजार, श्रमिक नगर, मानस भवन तालाब में डोम शेड, मंच निर्माण, सामुदायिक भवन, मानस भवन, सतनाम भवन, विद्यालय भवनों का संधारण, यात्री प्रतीक्षालय, उद्यान विकास, चौक सौंदर्यीकरण, महिला व्यायाम कक्ष, सीसी रोड, सीमेंट्रीकरण, नाली निर्माण, विद्युत कार्य शामिल हैं। इसका सीधा लाभ वार्ड क्र. 38, 40, 41, 46, 47, 48, 49, 51 और वैशाली नगर के वार्ड 32 सहित आसपास के नागरिकों को मिलेगा। पाण्डेय ने कहा कि जनता की आवश्यकता हमारी प्राथमिकता, विकास हमारी प्रतिबद्धता और भिलाई का उज्ज्वल भविष्य हमारा संकल्प है।

रेलवे स्टेशनों पर खाद्य सुरक्षा, स्वच्छता पर चला अभियान, अधिकारियों ने किया निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। यात्रियों को सुरक्षित, स्वच्छ, गुणवत्तापूर्ण एवं स्वास्थ्यकर खानपान सुविधा उपलब्ध कराने हेतु दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा 21 अगस्त से 04 सितम्बर 2026 तक तीनों रेल मंडलों बिलासपुर, रायपुर एवं नागपुर में व्यापक खाद्य सुरक्षा, स्वच्छता एवं साफ-सफाई अभियान चलाया गया।

अभियान के दौरान दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के अंतर्गत 311 स्टेशन खानपान इकाइयों, 77 चलती ट्रेन खानपान इकाइयों तथा 14 बेस किचन का गहन निरीक्षण किया गया। मुख्यालय एवं मंडल स्तर के अधिकारियों की निगरानी में संचालित इस अभियान का प्रमुख उद्देश्य यात्रियों को स्वच्छ एवं

सुरक्षित खानपान उपलब्ध कराने के साथ-साथ खानपान सेवाओं में निर्धारित मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करना रहा।

निरीक्षण के दौरान भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण के दिशा-निर्देशों तथा भारतीय रेलवे के खानपान संबंधी निर्धारित मानकों के अनुपालन पर विशेष ध्यान दिया गया। अधिकारियों द्वारा खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता एवं ताजगी, रसोई एवं भोजन तैयार करने वाले स्थानों की स्वच्छता, खाद्य सामग्री के सुरक्षित भंडारण एवं रख-रखाव, भोजन परोसने वाले काउंटरों की साफ-सफाई, खानपान कर्मचारियों की व्यक्तिगत स्वच्छता, स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता तथा कचरे के वैज्ञानिक तरीके से निपटान सहित विभिन्न पहलुओं की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की गई।

दुर्ग में 'सेवा संकल्प अभियान' का भव्य आयोजन 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक

- जला स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक में संबंधित अधिकारियों को उनके कार्यों से कराया गया अवगत

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। छत्तीसगढ़ शासन, जनसम्पर्क विभाग के दिशा-निर्देशों के परिपालन में कलेक्टर अभिजीत सिंह के मार्गदर्शन में जिले में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक 'सेवा संकल्प अभियान' का गरिमामय एवं व्यापक आयोजन किया जा रहा है। जनसेवा के प्रति आभार व्यक्त करने, 'विकसित भारत 2047' का सामूहिक संकल्प लेने तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को प्रत्येक नागरिक तक पहुँचाने के उद्देश्य से जिले के ग्राम, वार्ड, विकासखंड एवं जिला स्तर पर विविध आयोजन होंगे।

कलेक्टर सिंह ने अभियान के सुचारू संचालन, अंतर्विभागीय समन्वय और व्यवस्थाओं की निगरानी हेतु जिला स्तर पर अपर कलेक्टर व सीईओ जिला पंचायत

को जिला नोडल अधिकारी एवं संबंधित विभागीय अधिकारियों को विभागीय अधिकारी नियुक्त किया है। अभियान की सफल संचालन हेतु जिला स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में कलेक्टर सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुई। उक्त बैठक में संबंधित अधिकारियों को उनके कार्यों से अवगत कराया गया। कलेक्टर ने अधिकारियों को विभागीय कार्य योजना बना कर जिला नोडल अधिकारी जिला पंचायत सीईओ श्री बजरंग दुबे को प्रस्तुत करने को कहा। बैठक में जिला नोडल अधिकारी श्री दुबे ने अभियान के सुचारू संचालन हेतु शासन द्वारा सौंपे गए विभागीय दायित्वों से अधिकारियों को अवगत कराया।

इस अभियान के सुचारू संचालन के लिए प्रमुख कार्यक्रमों की रूपरेखा तय की गई है। इसके अंतर्गत पंचायत व नगरीय प्रशासन विभाग द्वारा परिवार स्तर पर 'आशीर्वाद का दीया', स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा विद्यालय स्तर पर '25 करोड़ बच्चों के सपनों का भारत', संस्कृति विभाग द्वारा ग्राम व नगर स्तर पर 'नमो सेवा गाथा' (नुक्कड़ नाटक) तथा महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आंगनबाड़ी केंद्रों में 'आंगन का उत्सव' का आयोजन किया जाएगा। वहीं जनसंपर्क विभाग क्लस्टर व जिला स्तर पर 'कहानी बदलाव की', पर्यटन विभाग राज्य स्तर पर 'विकसित भारत संकल्प यात्रा', परिवहन विभाग जिला स्तर पर 'सेवा ज्योति यात्रा' तथा आवास एवं पर्यावरण विभाग नागरिक स्तर पर 'सेवा मेरा योगदान' (जिसमें नदी घाट स्वच्छता शामिल है) पहल का संचालन करेंगे। इसके अलावा सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा विकासखंड व विधानसभा स्तर पर 'सेवा सेतु शिविर', उच्च शिक्षा विभाग द्वारा चयनित शहरों में 'रंगोली राष्ट्र', वाणिज्य व उद्योग विभाग द्वारा क्षेत्रीय केंद्रों में 'राष्ट्रीय इनोवेशन चैलेंज' और पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर 'जनसेवक महाकुंभ' का भव्य आयोजन किया जाएगा।

अभियान के शुभारंभ अवसर पर 17 सितंबर 2026 की संध्या को पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा नगरीय प्रशासन विभाग के समन्वय से जिले के प्रत्येक जमीनी इकाई क्षेत्र में घर-घर संपर्क कर प्रत्येक परिवार द्वारा 'आशीर्वाद का दीया' प्रज्वलित किया जाएगा, जिसके लिए पूर्व-निर्धारित मैदानी टीमों द्वारा हितग्राहियों तक व्हाटअप वीडियो के माध्यम से आमंत्रण पत्र व संदेश पहुँचाया जाएगा। इसी कड़ी में स्कूल शिक्षा विभाग के नेतृत्व में 17 सितंबर से 7 अक्टूबर के मध्य जिले के सभी शासकीय व निजी विद्यालयों में 7 से 10 दिवसीय आयोजन के तहत '25 करोड़ बच्चों के सपनों का भारत' विषय पर ड्राइंग एवं भाषण प्रतियोगिताओं का आयोजन होगा, जिसमें बिना किसी अतिरिक्त व्यय के उपलब्ध कक्षों में बच्चों की कलाकृतियों की प्रदर्शनी लगाई जाएगी और जिला व राज्य स्तर पर मुख्यमंत्री श्री साय के हस्ताक्षरयुक्त प्रमाण पत्र प्रदान किए जाएँगे। आमजनों को जागरूक करने के लिए संस्कृति विभाग द्वारा तैयार किए गए 25-30 मिनट के हिंदी मास्टर स्क्रिप्ट व ऑडियो का स्थानीय भाषा में रूपान्तरण कर जिले में 18-20 प्रतिभाशाली नाट्य टोलियों का गठन किया गया है, जो 'नमो सेवा गाथा' के अंतर्गत स्कूलों, कॉलेजों, पंचायतों व सार्वजनिक स्थलों पर नुक्कड़ नाटकों का मंचन करेंगी, जिसमें 2 अक्टूबर को 100 प्रमुख स्थलों पर विशेष मंचन शामिल है।

Since 1972
CROWN-TV
Choice Of Millions
LED / Washing Machine
Cooler / Fridge
Available All Size
CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 13
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line
Mob.: 98262 52372

प्रमुख खबरें

निजी विश्वविद्यालयों के लिए नया वेब पोर्टल शुरू

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका ने छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग द्वारा तैयार किए गए नए वेब पोर्टल cgpurc.cgstate.gov.in का क्लिक कर शुभारंभ किया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग के अध्यक्ष वीके गोयल सहित आयोग के अन्य सदस्य उपस्थित थे। नए पोर्टल के माध्यम से प्रदेश के निजी विश्वविद्यालयों से संबंधित महत्वपूर्ण एवं अद्यतन जानकारी एक ही स्थान पर उपलब्ध होगी। इसमें अध्यादेश के आधार पर संचालित पाठ्यक्रमों का विवरण, अकादमिक कैलेंडर, प्रवेशित विद्यार्थियों की जानकारी, विद्यार्थियों की अंकसूची, डिग्री तथा गत वर्षों के परीक्षा परिणाम अपलोड किए जाएंगे। पोर्टल पर विश्वविद्यालयों द्वारा लिए जाने वाले शुल्क, कार्यरत अधिकारियों, विभिन्न समितियों एवं उनके सदस्यों तथा पीएचडी शोध-निर्देशकों की विस्तृत जानकारी भी उपलब्ध रहेगी। इसके अलावा एनईपी-2020, नैक प्रत्यायन, अन्य विश्वविद्यालयों के साथ एमओयू, स्किल डेवलपमेंट, इनोवेशन, स्टार्टअप, जॉब ओरिएंटेशन प्रोग्राम, कैंपस प्लेसमेंट और ई-लाइब्रेरी से संबंधित जानकारी भी पोर्टल पर प्रदर्शित की जाएगी।

छात्राओं की शिकायत की जांच के बाद अधीक्षिका निलंबित

कोरबा। 100 सीटर कन्या छात्रावास पोड़ी उपरोड़ा में पदस्थ छात्रावास अधीक्षिका श्रीमती शारदा नेताम (मूल पद सहायक शिक्षक एल.बी.शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला अमलडीहा) को छात्राओं के प्रति अनुचित व्यवहार की शिकायत की जांच के बाद निलंबित कर दिया गया है। जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार 06 अगस्त 2026 को छात्रावास की छात्राओं ने अधीक्षिका के कार्य-व्यवहार को लेकर मुख्य मार्ग पर आक्रोश प्रदर्शन कर उन्हें हटाने तथा किसी अन्य व्यक्ति को अधीक्षिका के रूप में पदस्थ करने की मांग की थी। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पोड़ी उपरोड़ा द्वारा प्रकरण की जांच के लिए तीन वरिष्ठ प्राचार्यों की समिति गठित की गई थी। जांच प्रतिवेदन में अधीक्षिका का व्यवहार छात्राओं के प्रति उचित नहीं होने तथा मेन्यू के अनुसार भोजन उपलब्ध नहीं कराने, भोजन की गुणवत्ता खराब होने, छात्रावास परिसर में देर रात तक पूजा पाठ और घंटी बजाने से बच्चों की पढ़ाई एवं नींद प्रभावित होने संबंधी शिकायतों की पुष्टि हुई। संयुक्त संचालक, शिक्षा संभाग बिलासपुर द्वारा जांच प्रतिवेदन के आधार पर श्रीमती नेताम को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। निलंबन अवधि में उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता होगी।

नए आपराधिक कानूनों के क्रियान्वयन में तेजी लाने के निर्देश

एफआईआर और चार्जशीट का हो ऑनलाइन प्रेषण, ई-साक्ष्य ई-समन पर दिखाएं तत्परता

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। उप मुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा ने नवीन आपराधिक कानूनों के त्वरित और प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सभी संबंधित विभागों तथा अधिकारियों को समन्वित प्रयास करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि इन कानूनों का उद्देश्य न्याय प्रक्रिया को अधिक त्वरित, पारदर्शी और तकनीक-आधारित बनाना है तथा इसके लिए कानून में उल्लिखित प्रावधानों के अनुरूप आवश्यक व्यवस्थाएं समयबद्ध रूप से पूर्ण की जानी चाहिए।

नवा रायपुर स्थित पुलिस मुख्यालय में आयोजित समीक्षा बैठक में गृह मंत्री श्री शर्मा ने केंद्रीय गृह मंत्रालय के नेशनल क्रिमिनल लॉ इम्प्लीमेंटेशन (एनसीएलआई) डैशबोर्ड की रिपोर्ट में छत्तीसगढ़ की बेहतर स्थिति पर प्रसन्नता व्यक्त की। डैशबोर्ड के प्रत्येक मापदंड की बिंदुवार समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य की रैंकिंग में और सुधार के लिए हर स्तर पर ठोस कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। निरंतर प्रयासों के फलस्वरूप जुलाई माह से राज्य की रैंकिंग में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। उप मुख्यमंत्री ने इस प्रगति पर संतोष व्यक्त करते हुए सभी मापदंडों में सुधार की गति बनाए रखने के निर्देश दिए।

एफआईआर से न्यायालय तक की प्रक्रिया हो त्वरित

कार्यात्मक दक्षता के मापदंड पर सुधार के संबंध में उप मुख्यमंत्री ने कहा कि एफआईआर और चार्जशीट सीधे न्यायालय तक पहुंचाने की व्यवस्था शीघ्र पूर्ण की जाए, ताकि विवेचना से लेकर विचारण तक की प्रक्रिया में लगने वाला समय कम हो। इसी मापदंड के अंतर्गत उन्होंने नेशनल ऑटोमेटेड फिंगरप्रिंट आइडेंटिफिकेशन सिस्टम (नाफिस) तथा ई-साक्ष्य के उपयोग को बढ़ाने के लिए सभी थानों को तकनीकी एवं कार्यात्मक दृष्टि से शीघ्र तैयार करने के निर्देश दिए। श्री शर्मा ने यह भी कहा कि ई-समन जारी होने के बाद उसकी तामील शीघ्र सुनिश्चित की जाए और निर्धारित समय-सीमा के भीतर चार्जशीट ऑनलाइन प्रस्तुत करने की प्रक्रिया को सुदृढ़ किया जाए।

शीघ्र जारी हों प्रशासकीय सुधार के तहत लंबित अधिसूचनाएं

गृह मंत्री ने प्रशासकीय सुधार के अंतर्गत आवश्यक अधिसूचनाएं और प्रक्रियात्मक व्यवस्थाएं शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि तकनीकी व्यवस्थाओं के साथ-साथ मैदानी स्तर पर अधिकारियों और कर्मचारियों की दक्षता बढ़ाना भी उतना ही आवश्यक है, तभी नए कानूनों का वास्तविक लाभ नागरिकों तक पहुंचेगा।

राज्य स्तरीय कठिनाइयों के समाधान पर विचार-विमर्श

बैठक में नवीन आपराधिक कानूनों, सीसीटीएनएस तथा इंटर-ऑपरेबल क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम (आईसीजेएस) के क्रियान्वयन में राज्य स्तर पर आ रही कठिनाइयों पर विस्तार से चर्चा हुई। उप मुख्यमंत्री ने ब्यूरो ऑफ पुलिस रिसर्च एंड डेवलपमेंट (बीपीआरडी), नेशनल क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो (एनसीआरबी) तथा राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) के अधिकारियों के साथ इनके तकनीकी और प्रक्रियात्मक समाधान पर विचार-विमर्श किया। उन्होंने निर्देश दिए कि जिन बिंदुओं पर केंद्रीय स्तर से सहयोग अथवा तकनीकी समाधान अपेक्षित है, उन पर समन्वय स्थापित कर शीघ्र निराकरण कराया जाए, जिससे छत्तीसगढ़ नवीन आपराधिक कानूनों के क्रियान्वयन में बेहतर प्रदर्शन कर सके।

बैठक में महानिदेशक एनसीआरबी अमित गर्ग, महानिदेशक बीपीआरडी आलोक मित्तल, गृह विभाग की प्रमुख सचिव गृह निहारिका बारिक, गृह सचिव नेहा चंपावत एवं हिमशिखर गुप्ता, पुलिस महानिदेशक अरुण देव गौतम, महानिदेशक जेल हिमांशु गुप्ता, संचालक अभियोजन प्रदीप गुप्ता, अपर पुलिस महानिदेशक विवेकानंद सिन्हा, सीएपीटी भोपाल अनिल किशोर यादव उपस्थित रहे। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी संभागीय पुलिस महानिरीक्षक, जिले के पुलिस अधीक्षक, स्वास्थ्य विभाग के मेडिको-लीगल नोडल अधिकारी और अभियोजन अधिकारी, तथा दिल्ली से एनसीआरबी एवं एनआईसी के अन्य अधिकारी शामिल हुए।

क्या है एनसीएलआई डैशबोर्ड

नेशनल क्रिमिनल लॉ इम्प्लीमेंटेशन (एनसीएलआई) डैशबोर्ड भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा संचालित एक केंद्रीकृत डिजिटल मंच है, जिसके माध्यम से तीनों नए आपराधिक कानूनों भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम के देशव्यापी क्रियान्वयन की प्रगति की निगरानी की जाती है।

लोकरंग का दूसरा दिन : 'लोरिक चंदा' से ददरिया-चंदैनी तक बिखरी संस्कृति की रंगत

रायपुर। छत्तीसगढ़ की माटी की खुशबू, लोकजीवन की सहज संवेदनाएं और पीढ़ियों से चली आ रही लोकपरंपराओं के रंगों से 'लोकरंग पर्व' का दूसरा दिन सराबोर रहा। मुक्ताकाशी मंच पर आयोजित कार्यक्रम में 'लोरिक चंदा', ददरिया और चंदैनी जैसी पारंपरिक लोकविधाओं की मनमोहक प्रस्तुतियों ने दर्शकों को छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से रूबरू कराया।

कार्यक्रम की शुरुआत प्रदेश की लोकप्रिय लोकगाथा 'लोरिक चंदा' के भावपूर्ण प्रसंग से हुई। श्री व्यासनाथ योगी एवं साथियों ने अपनी प्रस्तुति के माध्यम से लोकगाथा की कथात्मकता, भाव और गायन परंपरा को मंच पर जीवंत कर दिया। प्रस्तुति के दौरान लोकसंगीत और पारंपरिक गायन शैली ने वातावरण को पूरी तरह छत्तीसगढ़ी रंग में रंग दिया। इसके बाद विजय साहू एवं साथियों ने ददरिया की प्रस्तुति दी। छत्तीसगढ़ के लोकजीवन से गहरे जुड़ी ददरिया की मधुर धुनों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। वहीं बरसन देशलहरे ने चंदैनी के माध्यम से प्रेम, लोकजीवन और मानवीय संवेदनाओं को सुरों में पिरोया। प्रस्तुतियों में छत्तीसगढ़ की ग्रामीण जीवनशैली, लोकभावनाओं और सामाजिक सरोकारों की सहज झलक दिखाई दी।

कार्यक्रम में संस्कृति एवं पुरातत्व संचालक डॉ. संजय कन्नौजे ने कहा कि स्थानीय मंच छत्तीसगढ़ की लोकविधाओं से जुड़े कलाकारों को अपनी प्रतिभा प्रस्तुत करने और प्रोत्साहन पाने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं हैं, बल्कि प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने और नई पीढ़ी तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम भी हैं। उन्होंने कहा कि लोरिक चंदा, चंदैनी गीत और ददरिया जैसी लोकविधाएं छत्तीसगढ़ के लोकजीवन की पहचान हैं। कार्यक्रम में संस्कृति एवं पुरातत्व संचालक डॉ. संजय कन्नौजे, पूर्व संचालक अनिल कुमार साहू, उपसंचालक उमेश मिश्रा, छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध कवि मीर अली मीर, वरिष्ठ पत्रकार एवं छायाकार दीपेंद्र दीवान, साहित्यकार विजय मिश्रा तथा समाजसेवी उदयभान चौहान विशेष रूप से उपस्थित रहे।

बलौदाबाजार के शिक्षक सम्मान समारोह में शामिल हुए राजस्व मंत्री

गुरू का ऋण पूरे जीवन में नहीं चुकाया जा सकता : वर्मा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। समाज और राष्ट्र निर्माण में शिक्षकों के अमूल्य योगदान को नमन करते हुए स्व. सोनचंद स्मृति फाउंडेशन के तत्वाधान में नगर भवन, बलौदाबाजार में गरिमामय शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश के राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा ने जिले के 150 सेवानिवृत्त शिक्षक-शिक्षिकाओं को सम्मानित कर उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त की।

समारोह को संबोधित करते हुए मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि भारतीय संस्कृति में गुरु का स्थान को सर्वोपरि बताया। उन्होंने कहा कि गुरू ही ईश्वर का भी परिचय कराता है। शिक्षक केवल किताबी ज्ञान नहीं बांटते, बल्कि वे विद्यार्थियों में संस्कार रोपकर उनके व्यक्तित्व और भविष्य की मजबूत नींव रखते हैं।

उन्होंने सभी गुरुजनों का अभिनंदन करते हुए कहा कि गुरुजनों का उपकार इतना महान है कि इसे कभी चुकाया नहीं जा सकता। जिन शिक्षकों का आज सम्मान हुआ है, उन्होंने अपने जीवन का स्वर्णिम समय भावी पीढ़ी को गढ़ने में समर्पित किया है। उनका यह योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा।

कार्यक्रम के दौरान शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवा देने वाले सेवानिवृत्त शिक्षकों को स्मृति चिह्न और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। समारोह में स्थानीय जनप्रतिनिधि, समाजसेवी और बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद रहे।

सरगुजा की सभी 439 ग्राम पंचायतों में एक साथ मनाया गया रोजगाव एवं आवास दिवस

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। सरगुजा जिले की सभी 439 ग्राम पंचायतों में एक साथ रोजगार दिवस एवं आवास दिवस का आयोजन किया गया। विकसित भारत जी राम जी योजना के अंतर्गत आयोजित रोजगार दिवस तथा प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के अंतर्गत आवास दिवस में ग्रामीणों, श्रमिकों एवं आवास हितग्राहियों से सीधे संवाद कर योजनाओं की जानकारी दी गई। साथ ही योजनाओं के क्रियान्वयन में आ रही समस्याओं की जानकारी लेकर उनके निराकरण की पहल की गई।

रोजगार दिवस के दौरान ग्रामीणों एवं श्रमिकों को विकसित भारत जी राम जी योजना के प्रावधानों की विस्तार से जानकारी दी गई।

ग्राम पंचायत स्तर पर जॉब कार्ड, 125 दिवस रोजगार की गारंटी, रोजगार की मांग दर्ज कराने की प्रक्रिया, संचालित एवं प्रस्तावित कार्यों तथा मजदूरी भुगतान से जुड़े विषयों पर चर्चा की गई।

श्रमिकों को बताया गया कि रोजगार की मांग दर्ज कराने के साथ योजना के तहत उपलब्ध अधिकारों एवं आवश्यक प्रक्रियाओं की जानकारी रखना महत्वपूर्ण है। मजदूरी भुगतान के 15 दिवस के प्रावधान की भी जानकारी दी गई। इस दौरान श्रमिकों एवं ग्रामीणों ने जॉब कार्ड, रोजगार की मांग, मजदूरी भुगतान तथा ग्राम पंचायत में संचालित कार्यों से संबंधित समस्याएं सामने रखीं। संबंधित अमले द्वारा समस्याओं का यथासंभव मौके पर निराकरण किया गया तथा लंबित प्रकरणों पर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के अंतर्गत आयोजित आवास दिवस में अपूर्ण एवं अप्रारंभ आवासों के हितग्राहियों से सीधे संवाद किया गया। हितग्राहियों से उनके आवास निर्माण की वर्तमान स्थिति की जानकारी लेते हुए निर्माण कार्य में आ रही व्यावहारिक कठिनाइयों पर चर्चा की गई।

डिजिटल क्रॉप सर्वे में सारंगढ़-बिलाईगढ़ पूरे प्रदेश में अव्वल, जिले में 47350 प्लाटों का हुआ सर्वेक्षण

श्रीकंचनपथ समाचार

सारंगढ़। डिजिटल क्रॉप सर्वे के प्रभावी और बेहतर क्रियान्वयन में सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले ने प्रदेश स्तर पर उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। प्रदेश स्तरीय रिपोर्ट में जिले ने 87 प्रतिशत कार्य के साथ प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। डिजिटल क्रॉप सर्वे में सर्वाधिक कार्य करने वाले प्रदेश के शीर्ष तीन जिलों में सारंगढ़-बिलाईगढ़ पहले स्थान पर है, जबकि खैरागढ़ 86 प्रतिशत के साथ दूसरे और कोरिया 81 प्रतिशत के साथ तीसरे स्थान पर है।

जिले में डिजिटल क्रॉप सर्वे कार्य को प्रशासन द्वारा लगातार प्राथमिकता देते हुए मैदानी स्तर पर प्रभावी मॉनिटरिंग की जा रही है। 6 सितंबर 2026 को शाम 4.30 बजे तक की तहसीलवार प्रगति रिपोर्ट के अनुसार जिले में कुल 53 हजार 524 प्लॉटों के विरुद्ध 47 हजार 350 प्लॉटों का सर्वे पूर्ण किया जा चुका है, जो 88.45 प्रतिशत है। जिले में 35 हजार 476 सर्वे अनुमोदित किए जा चुके हैं और अनुमोदन की प्रगति 74.93 प्रतिशत दर्ज की गई है।

सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले की सभी छह तहसीलों में डिजिटल क्रॉप सर्वे का कार्य तेजी से जारी है। सारसींवा तहसील ने सर्वे कार्य में सबसे बेहतर प्रदर्शन करते हुए 8 हजार 187 प्लॉटों में से 7 हजार 653 प्लॉटों का सर्वे पूर्ण कर 93.27 प्रतिशत प्रगति हासिल की है। यहां 5 हजार 348 सर्वे अनुमोदित किए गए हैं। इसी प्रकार भटगांव तहसील में कुल 6 हजार 235 प्लॉटों के विरुद्ध 5 हजार 847 प्लॉटों का सर्वे पूर्ण किया गया है, जो 93.15 प्रतिशत है। तहसील में 3 हजार 748 सर्वे अनुमोदित किए जा चुके हैं। जिले की सबसे बड़ी तहसीलों में शामिल सारंगढ़ तहसील में कुल 16 हजार 134 प्लॉटों के विरुद्ध 14 हजार 32 प्लॉटों का सर्वे पूर्ण कर 88.60 प्रतिशत प्रगति दर्ज की गई है। यहां 12 हजार 61 सर्वे अनुमोदित किए गए हैं और अनुमोदन प्रतिशत 84.36 प्रतिशत है। सारिया तहसील में कुल 5 हजार 491 प्लॉटों के विरुद्ध 4 हजार 647 प्लॉटों का सर्वे पूर्ण किया गया है, जिससे तहसील की सर्वे प्रगति 86.64 प्रतिशत पहुंच गई है। यहां 3 हजार 258 सर्वे अनुमोदित किए गए हैं। वहीं बिलाईगढ़ तहसील में कुल 7 हजार 876 प्लॉटों में से 6 हजार 745 प्लॉटों का सर्वे पूर्ण कर 85.49 प्रतिशत प्रगति हासिल की गई है। तहसील में 5 हजार 132 सर्वे अनुमोदित किए जा चुके हैं। इसी तरह बरमकेला तहसील में कुल 9 हजार 626 प्लॉटों के विरुद्ध 8 हजार 136 प्लॉटों का सर्वे पूर्ण किया गया है, जो 84.49 प्रतिशत है। यहां 5 हजार 910 सर्वे अनुमोदित किए जा चुके हैं।

शत-प्रतिशत लक्ष्य तक जारी रहेगी तेजी

जिले की इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर कलेक्टर सारंगढ़-बिलाईगढ़ ने जिले के समस्त अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एवं तहसीलदारों को निर्देश दिए हैं कि डिजिटल क्रॉप सर्वे का कार्य शत-प्रतिशत पूर्ण होने तक इसी गति और गंभीरता के साथ कार्य किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को नियमित समीक्षा करते हुए लंबित प्लॉटों के सर्वे कार्य में तेजी लाने तथा प्रदेश में जिले की अग्रणी स्थिति को लगातार बनाए रखने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने अधिकारियों को मैदानी अमले के साथ सतत समन्वय स्थापित कर शेष सर्वे कार्य को शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए हैं। प्रशासन का लक्ष्य जिले में डिजिटल क्रॉप सर्वे का शत-प्रतिशत कार्य पूर्ण करते हुए प्रदेश में प्रथम स्थान की उपलब्धि को निरंतर बनाए रखना है।

स्वच्छता पखवाड़े में हाथ धुलाई दिवस आयोजित

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत सूरजपुर जिले शासकीय विद्यालयों में हाथ धुलाई दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस दौरान जागरूकता गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों को हाथों की नियमित सफाई, व्यक्तिगत स्वच्छता, सुरक्षित पेयजल, स्वच्छ शौचालय और स्वच्छ विद्यालय परिसर के महत्व की जानकारी दी गई। बच्चों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के साथ स्वच्छता को अपने दैनिक व्यवहार का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित किया गया।

इसी क्रम में शासकीय माध्यमिक शाला पतरापाली में प्रार्थना सभा के दौरान हाथ धुलाई दिवस का आयोजन किया गया।

शिक्षिका ने विद्यार्थियों को साबुन से हाथ धोने की सही विधि का प्रदर्शन कराते हुए हाथ धुलाई के विभिन्न चरणों का अभ्यास कराया। विद्यार्थियों को भोजन से पहले और बाद में, शौचालय के उपयोग के पश्चात तथा गंदगी के संपर्क में आने पर साबुन से अच्छी तरह हाथ धोने के लिए प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम में जलजनित बीमारियों से बचाव, सुरक्षित पेयजल के उपयोग, स्वच्छ शौचालय तथा व्यक्तिगत स्वच्छता के संबंध में भी जानकारी दी गई। शिक्षकों ने समझाया कि साबुन से नियमित रूप से हाथ धोने की आदत संक्रमण और कई बीमारियों से बचाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

हर बूंद कीमती, पानी बचाने का दिया संदेश

हाथ धुलाई दिवस के दौरान विद्यार्थियों को जल संरक्षण के प्रति भी जागरूक किया गया। बच्चों को बताया गया कि हाथ धोते समय नल को अनावश्यक रूप से खुला नहीं छोड़ना चाहिए और आवश्यकता के अनुसार ही पानी का उपयोग करना चाहिए। विद्यार्थियों को पानी की प्रत्येक बूंद के महत्व को समझाते हुए घर और विद्यालय दोनों स्थानों पर जल संरक्षण की आदत अपनाने का संदेश दिया गया। विद्यार्थियों ने स्वच्छता, नियमित हाथ धुलाई और जल संरक्षण की शपथ ली।

जैस्मिन ने ब्रेकअप की खबरों पर तोड़ी चुप्पी बोलीं - हर पोस्ट रिश्ते का इशारा नहीं होता

सोशल मीडिया पर एक पोस्ट क्या वायरल हुई, टीवी एक्ट्रेस जैस्मिन भसीन और अली गोनी के रिश्ते को लेकर चर्चाएं तेज हो गईं। जैस्मिन की एक डिलीट की गई इंस्टाग्राम पोस्ट को देखकर सोशल मीडिया पर उनके और अली के बीच सबकुछ ठीक नहीं होने के कयास लगाए जाने लगे। हालांकि, अब एक्ट्रेस ने इन अटकलों पर साफ शब्दों में अपनी बात रखी है।

'हर बात को रिश्ते से जोड़ना बंद करें'

जैस्मिन ने इंस्टाग्राम स्टोरी के जरिए बताया कि उनकी पोस्ट उनके रिश्ते को लेकर कोई छिपा हुआ संदेश नहीं थी। उन्होंने लिखा कि उनकी जिंदगी से जुड़ी हर निजी पोस्ट को उनके रिलेशनशिप से जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए। एक्ट्रेस ने कहा कि कई बार एक महिला सिर्फ अपने बारे में बात कर रही होती है।

जैस्मिन ने सोशल मीडिया पेजों पर भी नाराजगी जताई। उनका कहना था कि व्यूज और अटेंशन हासिल करने के लिए उनकी पोस्ट और अली के साथ तस्वीरों को इस तरह पेश किया जा रहा है, जिससे ब्रेकअप की अफवाहों को हवा मिले। उन्होंने लोगों से ऐसी अटकलों पर ज्यादा ध्यान न देने की अपील भी की।

'I Am Enough' टैटू ने बढ़ाई थी हलचल

दरअसल, जैस्मिन ने हाल ही में अपना पहला टैटू बनवाया था, जिस पर 'I Am Enough' लिखा था। अपनी पोस्ट में उन्होंने जिंदगी के उस दौर का जिक्र किया था, जब वह प्यार और स्वीकार्यता पाने के लिए खुद को बदलने की कोशिश करती थीं। बाद में उन्होंने यह पोस्ट डिलीट कर दी, जिसके बाद ब्रेकअप की चर्चाएं शुरू हो गईं।

2018 में शुरू हुई थी कहानी

जैस्मिन और अली की पहली मुलाकात साल 2018 में 'खतरों के खिलाड़ी 9' के दौरान हुई थी। अर्जेंटीना में शूटिंग के दौरान दोनों की दोस्ती गहरी हुई। साल 2020 में 'बिग बॉस 14' के दौरान अली ने जैस्मिन के लिए अपनी भावनाओं का खुलकर इजहार किया। इसके बाद दोनों का रिश्ता सार्वजनिक हो गया।

रोते हुए आएंगे तो भी नहीं पहचानूंगा, कौन हैं ये?

स्टारडम पर अन्नू कपूर की खरी-खरी, रणबीर-रणवीर और सिद्धार्थ को लेकर कही ये बात

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता अन्नू कपूर अपने बेबाक अंदाज और खुलकर राय रखने के लिए जाने जाते हैं। हाल ही में एक पॉडकास्ट में उन्होंने ऐसा बयान दे दिया, जिसने सोशल मीडिया पर चर्चा छेड़ दी। बातचीत के दौरान जब उनसे रणबीर कपूर, रणवीर सिंह और सिद्धार्थ मल्होत्रा के बारे में पूछा गया तो अन्नू कपूर ने कहा कि वह इन कलाकारों को व्यक्तिगत रूप से नहीं जानते।

रोते हुए सामने आएंगे तो भी नहीं पहचानूंगा

अन्नू कपूर ने साफ शब्दों में कहा कि वह इन अभिनेताओं को न तो व्यक्तिगत तौर पर जानते हैं और न ही उनके काम को बहुत करीब से देखा है। उन्होंने मजाकिया अंदाज में यहां तक कहा कि अगर वे रोते हुए भी उनके सामने आ जाएं, तो शायद वह पहचान नहीं पाएंगे। उनके इस बयान ने फैंस का ध्यान खींच लिया है।

रणबीर को क्यों जानते हैं अन्नू कपूर?

रणबीर कपूर को लेकर अन्नू कपूर ने एक अलग वजह बताई। उन्होंने कहा कि वह रणबीर को इसलिए जानते हैं क्योंकि वह दिग्गज अभिनेता ऋषि कपूर के बेटे हैं। अन्नू कपूर के मुताबिक, उन्होंने रणबीर की फिल्मों और अभिनय को ज्यादा नहीं देखा है, इसलिए उनके बारे में व्यक्तिगत तौर पर कुछ कह पाना उनके लिए मुश्किल है।

अमिताभ-शाहरुख पर टिप्पणी का भी किया जिक्र

पॉडकास्ट के दौरान अन्नू कपूर ने नसीरुद्दीन शाह की अमिताभ बच्चन और शाहरुख खान की अभिनय क्षमता पर की गई टिप्पणियों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि किसी कलाकार की व्यक्तिगत राय से सच्चाई तय नहीं होती। उनके मुताबिक, जनता ने अमिताभ बच्चन और शाहरुख खान को सुपरस्टार बनाया है और उनकी सफलता खुद बहुत कुछ कहती है।

चार दशक से ज्यादा लंबा फिल्मी सफर

अन्नू कपूर ने अपने लंबे करियर में फिल्मों, टीवी और थिएटर में कई यादगार किरदार निभाए हैं। चार दशक से ज्यादा समय से मनोरंजन जगत का हिस्सा रहे अभिनेता आज भी अपने बेबाक बयानों के कारण सुर्खियों में बने रहते हैं। हाल ही में वह जुलाई 2026 में रिलीज हुई फिल्म 'उत्तर दा पुत्तर' में मुख्य भूमिका में नजर आए थे।

एकादशी पर चावल मत खाना... आखिर क्यों मना करती थीं दादी-नानी?, सदियों पुरानी मान्यता का जानिए सच

हिंदू धर्म में एकादशी का व्रत बेहद खास माना जाता है। हर महीने आने वाली दो एकादशियों को भगवान विष्णु की आराधना और व्रत के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है। इसी दौरान घर के बड़े-बुजुर्ग अक्सर एक बात जरूर कहते हैं- एकादशी के दिन चावल नहीं खाना चाहिए, वरना पाप लगता है। बचपन से सुनी गई यह बात आज भी कई परिवारों में पूरी श्रद्धा के साथ मानी जाती है।

आखिर चावल से क्यों बनाई गई दूरी?

धार्मिक परंपराओं में एकादशी को सात्विक जीवन, संयम और इंद्रियों पर नियंत्रण का दिन माना गया है। व्रत रखने वाले लोग सामान्य भोजन छोड़कर फल, दूध, साबूदाना, कुट्टू या अन्य व्रत वाली चीजें खाते हैं। चावल और अनाज से दूरी इसी व्रत परंपरा का हिस्सा बन गई। समय के साथ इसे लेकर कई लोककथाएं और मान्यताएं भी जुड़ती चली गईं।

महर्षि मेधा से जुड़ी कथा

पौराणिक मान्यता के अनुसार, महर्षि मेधा ने एकादशी के दिन अपने शरीर का त्याग किया था। कहा जाता है कि उनके शरीर का एक अंश बाद में चावल और जौ के रूप में धरती पर प्रकट हुआ।

इसी वजह से एकादशी पर चावल खाने से बचने की परंपरा बनी। धार्मिक मान्यता में इसे महर्षि के मांस और रक्त के सेवन के समान माना गया है। हालांकि, यह एक पौराणिक कथा और आस्था से जुड़ी मान्यता है।

दादी-नानी की बात में कितना सच?

'चावल खाने से पाप लगेगा' वाली बात को वैज्ञानिक तथ्य के तौर पर नहीं देखा जा सकता। यह मुख्य रूप से धार्मिक आस्था और पारंपरिक मान्यता है। अलग-अलग परिवारों और क्षेत्रों में एकादशी के नियम भी अलग हो सकते हैं। इसलिए इसे डर या अपराधबोध से जोड़ने के बजाय परंपरा के रूप में समझना ज्यादा उचित है।

आज की पीढ़ी कैसे देखती है?

आज की पीढ़ी इन मान्यताओं को लेकर सवाल भी करती है और अपनी सुविधा के अनुसार परंपराओं को अपनाती भी है। कई लोग एकादशी पर चावल न खाने को आध्यात्मिक अनुशासन मानते हैं, जबकि कुछ लोग इसे सिर्फ पारंपरिक नियम के तौर पर देखते हैं।

संदीपा धर ने शुरू की वेब सीरीज की शूटिंग, तस्वीरें शेयर कर दी जानकारी, पोस्ट में क्या है खास?

वेब सीरीज 'असुर सीजन 3' की से जुड़ी एक खास जानकारी सामने आई है। हाल ही में एक्ट्रेस संदीपा धर ने फैंस के साथ इस खबर को फोटोज के जरिए शेयर किया। 'असुर' फ्रेंचाइजी के इस तीसरे सीजन का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार था। जानें क्या है खबर?

क्या था खास संदीपा की फोटोज में?

एक्ट्रेस संदीपा धर ने सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें साझा कीं। इनमें वह वेबसीरीज में दिखीं। इनसे फैंस को 'असुर सीजन 3' के बारे में जानकारी मिली। संदीपा द्वारा शेयर की गईं पहली तस्वीर में वह बॉलकनी में खड़ी हुईं हैं। उन्होंने ब्लैक कलर की बॉडी कॉन ड्रेस पहन रखी है। दूसरी फोटो में वह सीरीज में अपने डायलॉग पढ़ती नजर आ रही हैं। तीसरी तस्वीर में वह सैलून में अपना मेकओवर कराती नजर आ रही हैं। एक अन्य फोटो में उन्होंने असुर 3 की जानकारी दी है।

क्या होगा संदीपा का किरदार?

संदीप धर की शेयर की गई तस्वीरों के साथ कैप्शन भी लिखा। उन्होंने लिखा, 'यह जबरदस्त होने वाला है, 'नई शुरुआत' और 'तूफान से पहले की शांति।' इससे यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि यह सीजन दमदार होने वाला है। हालांकि सीरीज में संदीपा कौन सी भूमिका निभाएंगी इस पर से अभी पर्दा नहीं उठाया गया है।

'असुर सीजन 3' की कास्ट

ओटीटी की पॉपुलर सीरीज 'असुर' के तीसरा भाग की शूटिंग शुरू हो चुकी है। सीरीज की कास्ट में अरशद वारसी और बरुण सोबती मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। वहीं सीरीज में श्वेता बसु प्रसाद और अहसास चन्ना भी अहम किरदारों में नजर आ सकती है। सीरीज का निर्देशन गौरव शुक्ला ने किया है। यह सीरीज पौराणिक कथाओं, मनोविज्ञान और क्राइम इन्वेस्टिगेशन के अनोखे मेल के लिए जानी जाती है।

ट्विंकल ने कबाब- कोरमा से की थी मुगल इतिहास की तुलना! इंटरनेट पर छिड़ी बहस, लोगों ने याद दिलाई पति की 'केसरी' फिल्म

अभिनेत्री और लेखिका ट्विंकल खन्ना सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बनी हुई हैं। उन्होंने भारत में खाद्य सुरक्षा और खाने में इस्तेमाल होने वाली चीजों पर चल रही चर्चा के बीच मुगलों के इतिहास और भारतीय खान-पान को जोड़ते हुए बड़ा बयान दे डाला है। जो लोगों को पसंद नहीं आ रहा है। सोशल मीडिया यूजर शीमा खेर ने ट्विंकल खन्ना को खुला पत्र लिखकर उनके तर्कों की धज्जियां उड़ा दी हैं और इस बहस में उनके पति व अभिनेता अक्षय कुमार की फिल्म 'केसरी' का उदाहरण देकर तीखा हमला बोला है।

ट्विंकल खन्ना ने कबाब-कोरमा और मुगल इतिहास को लेकर क्या कहा?

ट्विंकल खन्ना ने 30 अगस्त 2026 को अपनी प्रकाशित और लोकप्रिय 'मिसेज फनीबोन्स' कॉलम में इतिहास की किताबों से मुगलों को हटाए जाने की चर्चा पर बात की थी। उन्होंने लिखा था, जो लोग मुगलों को हमारे इतिहास की किताबों से मिटाना चाहते हैं, उन्हें सबसे पहले दोपहर के भोजन से शुरुआत करनी चाहिए। आप पहले कोफ्ते, कोरमा, कबाब छोड़ दें आप असली या नकली मुगलई पनीर खाकर उसका आनंद नहीं ले सकते।

ट्विंकल का यह बयान वायरल होते ही सोशल मीडिया पर लोगों ने इसे ऐतिहासिक हिंसा को नजरअंदाज करने और खाने के पीछे इतिहास के काले पन्नों को दबाने का बचकाना प्रयास करार दिया है।

भोजन की तुलना क्रूर इतिहास से करना हास्यास्पद नहीं

सोशल मीडिया पर एक यूजर शीमा खेर ने ट्विंकल के बयान का कड़ा विरोध किया और एक लंबी पोस्ट लिखी। उन्होंने लिखा, प्रिय फनी बोन्स, भोजन की तुलना क्रूर इतिहास से करना और दोनों को एक समान मानना न तो हास्यास्पद है और न ही समझदारी भरा।

शमी खेर ने आगे सारागढ़ी की ऐतिहासिक लड़ाई पर बनी फिल्म 'केसरी' का जिक्र किया, जिसमें ट्विंकल के पति अक्षय कुमार ने मुख्य भूमिका निभाई थी। उन्होंने याद दिलाया कि कैसे इस फिल्म को देखकर खुद ट्विंकल रो पड़ी थीं और इसे एक जबरदस्त फिल्म बताया था।

शमी खेर ने तीखा सवाल पूछते हुए लिखा, केसरी इसलिए बनी थी क्योंकि ऐसी कहानियां हमारी इतिहास की किताबों में नहीं पढ़ाई गईं। फिल्म ने आपको उस दौर की हिंसा की याद दिलाई, लेकिन मुझे लगता है कि आपने अगले दिन चिकन खाना नहीं छोड़ा। तो अगर आप ऐतिहासिक रक्तपात पर बनी फिल्म देख सकती हैं और फिर भी खुशी-खुशी अपने भोजन का आनंद ले सकती हैं, तो अचानक भोजन को इतिहास को स्वीकार करने के खिलाफ एक तर्क के रूप में क्यों इस्तेमाल किया जा रहा है?

यूजर शीमा खेर ने अक्षय कुमार को भी किया टैग

शीमा खेर ने अपनी पोस्ट के आखिर में लिखा कि मुगलों का भारत आगमन कोई जश्न नहीं था। मुगल भारत में 'कहने को जश्न-ए-बहारा है' का स्थायी साउंडट्रैक देने नहीं आए थे। कोई पृष्ठभूमि संगीत नहीं था। वहां युद्ध थे, विजयें थीं और भारी रक्तपात था।

अपनी पोस्ट में अक्षय कुमार को टैग करते हुए शमी खेर ने लिखा कि ट्विंकल (मिस खालिदी) को अब कोरमा और कबाब से आगे सोचने की जरूरत है। इस पलटवार के बाद इंटरनेट पर ट्विंकल खन्ना के चुटीले अंदाज बनाम ऐतिहासिक तथ्यों की इस बहस ने जोर पकड़ लिया है।

सोशल मीडिया पर एक यूजर ने लिखा, कबाब और कोफ्ता फारसी डिशेज हैं। मुगलों ने इन्हें ईजाद नहीं किया था। तथाकथित पढ़े-लिखे और ऊंचे समाज के लोग। एक ने लिखा, बॉलीवुड हमेशा किसी न किसी रूप में मुगलों का समर्थन करने की कोशिश करेगा। तीसरे ने लिखा, अगर हम इसे मान भी लें, तो उस तर्क से तो अंग्रेज़ों ने हमें अंग्रेज़ी दी है, इसलिए हम अंग्रेजी में उनकी आलोचना नहीं कर सकते। एक और ने लिखा, अब मुझे समझ आया कि अक्षय ने पृथ्वीराज चौहान के तौर पर इतना खराब अभिनय क्यों किया।

'6 साल जेल में रहा...', मंत्री के कहने पर भी बाबा ने मराठी बोलने से किया इनकार, कही ये बात

हाल ही में एक कार्यक्रम में जब महाराष्ट्र के एक मंत्री ने एक्टर संजय दत्त ने मराठी बोलने के लिए कहा, तो एक्टर ने इनकार कर दिया। जानिए क्या है पूरा मामला।

एक्टर संजय दत्त रविवार को मुंबई में एक कार्यक्रम में शामिल हुए थे। कार्यक्रम में महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक भी मौजूद थे। इस दौरान मंत्री ने जब बाबा से मराठी बोलने को कहा, तो उन्होंने इनकार कर दिया और मजाकिया अंदाज में एक बयान दिया। अब बाबा का ये रिएक्शन सोशल मीडिया पर चर्चा में आ गया है।

प्रताप सरनाईक ने की ये गुजारिश

प्रताप सरनाईक ने कार्यक्रम का संबोधन करते हुए वहां मौजूद लोगों से कहा, 'आजकल मैं सब लोगों को मराठी सिखा रहा हूं।' इसके बाद उन्होंने मराठी में कहा कि उन्होंने सोचा कि संजय दत्त के कार्यक्रम में आने के बाद उन्हें भी मराठी में बोलने के लिए कहा जाए।

संजय दत्त ने क्या कहा?

माइक पर बोलते हुए संजय दत्त ने कहा, 'प्रताप भाई। मैं 6 साल जेल में रहा, यरवडा में। तब भी मराठी नहीं सीख पाया। मैं थोड़ा सीखा था।' इसके बाद संजय दत्त ने भाषा के सवाल को आगे नहीं बढ़ाया और प्रताप सरनाईक को कार्यक्रम में बुलाने के लिए धन्यवाद दिया।

इसके बाद उन्होंने प्रताप सरनाईक के कंधे पर हाथ रखा और कहा, 'मैं प्रताप भाई का आभारी हूं कि मुझे यहां बुलाया। हमारा रिश्ता बहुत पुराना है, 25 साल हो गए हैं।' मंच पर संजय दत्त और प्रताप सरनाईक के बीच हुई ये बातचीत अब सोशल मीडिया पर चर्चा में आ गई है।

'7 डॉग्स' में नजर आए थे संजय दत्त

वर्कफ्रंट की बात करें तो संजय दत्त को हाल ही में अरबी फिल्म '7 डॉग्स' में कैमियो रोल में देखा गया था। इस फिल्म में उन्होंने सलमान खान के साथ स्क्रीन शेयर की थी। वहीं, संजय दत्त की आखिरी थिएट्रिकल रिलीज साल 2026 में आई राजनीतिक ड्रामा फिल्म 'आखिरी सवाल' थी। फिल्म का निर्देशन अभिजीत मोहन वारंग ने किया था। फिल्म में नमाशी चक्रवर्ती, अमित साध, त्रिधा चौधरी और समीरा रेड्डी भी अहम भूमिकाओं में नजर आए थे।

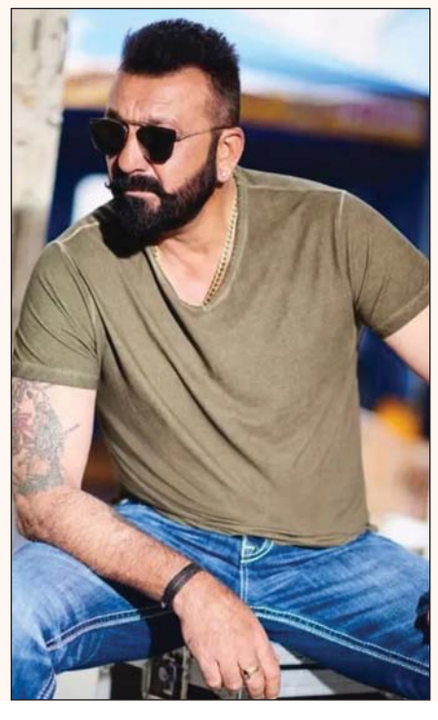

खास-खबर

मिला बिहान का साथ, खुली आत्मनिर्भरता की राह

रायपुर। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन-बिहान से जुड़कर महिलाएं अपने हुनर और मेहनत को स्थायी आजीविका का माध्यम बना रही हैं। गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले के मरवाही विकासखंड की ग्राम पंचायत अंडी की रानू कैवर्त ऐसी ही महिला हैं, जिन्होंने मेहनत, हुनर और बिहान से मिले सहयोग के बूते आत्मनिर्भरता की नई कहानी लिखी है। शिव गुरु महिला स्व-सहायता समूह की सचिव के रूप में उन्होंने समूह से मिले मार्गदर्शन और आर्थिक सहयोग का बेहतर उपयोग करते हुए आजीविका की अनेक गतिविधियों को अपनाया। उनके प्रयासों का परिणाम है कि अब विभिन्न आयमूलक गतिविधियों से उनकी वार्षिक आय लगभग 2 से 3 लाख रुपये तक पहुंच गई है।

सीएम हेल्पलाइन 1076 पर कॉल करते ही मिल गई ई-वी सब्सिडी

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश में सुशासन और जवाबदेह प्रशासन को नई मजबूती मिल रही है। इसका प्रभावी उदाहरण मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 के माध्यम से देखने को मिला, जहां महासमुंद जिले के बसना विकासखंड के ग्राम केंवटापाली निवासी खिरोद कुमार साव की ईवी (इलेक्ट्रिक वाहन) सब्सिडी से जुड़ी लंबित समस्या का त्वरित समाधान किया गया। श्री साव ने इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने के बाद सब्सिडी राशि प्राप्त नहीं होने की शिकायत मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 पर दर्ज कराई थी। शिकायत प्राप्त होते ही परिवहन विभाग ने मामले पर तत्परता से कार्रवाई की और प्रक्रिया पूरी कर उन्हें लंबित सब्सिडी राशि उपलब्ध करा दी। सब्सिडी राशि मिलने के बाद खिरोद ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और परिवहन विभाग के प्रति आभार व्यक्त किया है।

सौर क्रांति : 1500 का बिजली बिल हो गया शून्य

सारंगढ़-बिलाईगढ़। जिले के छिंद गांव निवासी लोकनाथ साव का बिजली बिल हर महीने 15-17 सौ रुपए का आता था। परेशान रहने वाला लोकनाथ आज न केवल शून्य बिजली बिल का आनंद ले रहे हैं, बल्कि अपनी छत से बिजली बेचकर अतिरिक्त कमाई भी कर रहा है। 1,500 रुपये बिजली का बिल उसके घरेलू बजट पर एक बड़ा बोझ था। फिर उन्होंने अपनी छत पर सोलर पैनल लगवाने का निर्णय लिया। सौर पैनल लगाते ही बिजली बिल में भारी गिरावट आई और आज वह शून्य पर जा पहुंचा है।

छत्तीसगढ़ में समान नागरिक संहिता की ड्राफ्टिंग तेज, कुलपतियों ने जमीनी सर्वे और अकादमिक शोध पर दिया जोर

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को व्यावहारिक, समावेशी और जन-उपयोगी बनाने के लिए राज्य शासन द्वारा गठित प्रारूप समिति ने जन-परामर्श और विचार-विमर्श की प्रक्रिया तेज कर दी है। इसी कड़ी में यूसीसी प्रारूप समिति द्वारा आयोजित उच्चस्तरीय बैठक में सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी एमके राउत, वरिष्ठ अधिवक्ता मोहन पवार और सेवानिवृत्त प्राचार्या ज्योति रानी सिंह के समक्ष विवाह, तलाक, उत्तराधिकार और भरण-पोषण जैसे संवेदनशील मुद्दों पर विभिन्न विश्वविद्यालयों से आए कुलपति ने खुलकर अपनी राय रखी। बैठक में पारंपरिक सामाजिक मान्यताओं से लेकर आधुनिक वैधानिक सुधारों तक कई अहम पहलुओं पर मंथन हुआ।

बैठक के दौरान प्रदेश के प्रमुख शिक्षाविदों और कुलपति ने कानून निर्माण की प्रक्रिया को सुदृढ़ बनाने के लिए महत्वपूर्ण सुझाव दिए, जिन्हें प्रारूप समिति ने ड्राफ्टिंग प्रक्रिया में प्राथमिकता से शामिल करने का आश्वासन दिया है। देश के प्रतिष्ठित विधिक संस्थानों में शामिल हिदायतुल्लाह राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर विवेकानंदन ने एक मजबूत, निष्पक्ष और न्यायसंगत मसौदा तैयार करने के लिए हर संभव तकनीकी और कानूनी सहयोग देने के लिए प्रतिबद्धता जताई। पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सच्चिदानंद शुक्ला ने ड्राफ्ट को शोध-आधारित बनाने के लिए समाजशास्त्र, मानवशास्त्र तथा विधि विभागों के विशेषज्ञों एवं शोधकर्ताओं के इनपुट्स को शामिल करने पर बल दिया। कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. मनोज दयाल ने भी में सुझाव दिए।

बिहान से बदली कृषि की राह : 35 महिलाओं ने 600 क्विंटल सब्जी उगाकर लिखी सफलता की नई इबारत

उजाला उत्पादक समूह की दीदियों ने सामूहिक खेती को बनाया अपनी ताकत, थोक सब्जी विक्रय से 6 लाख की आय

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। पारंपरिक खेती से हटकर हरी सब्जियों की आधुनिक और वैज्ञानिक खेती अपनाने वाले कई किसानों ने अपनी मेहनत और सूझबूझ से सफलता की नई कहानियां लिखी हैं, जिनमें ग्राम पंचायत रिसोरा में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान' से जुड़ी महिलाओं ने सामूहिक खेती जैसी प्रेरणादायक मिसालें शामिल हैं, जो कभी दो वक्त की रोटी के लिए संघर्ष करती थी और आज लाखों की कमाई कर रही हैं।

छत्तीसगढ़ के सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के बरमकेला विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत रिसोरा में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान' से जुड़ी महिलाओं ने सामूहिक खेती के जरिए आत्मनिर्भरता की नई मिसाल पेश की है। छोटे से भूखंड पर भी टमाटर, बैंगन, लौकी या करेला, खीरा जैसी सब्जियां उगाकर किसान प्रति बीघा या एकड़ कई गुना अधिक मुनाफा कमा रहे हैं।

उजाला उत्पादक समूह से जुड़ी 35 महिला किसानों ने एकजुट होकर न केवल लागत घटाई, बल्कि 600 क्विंटल सब्जियों का रिकॉर्ड उत्पादन कर करीब 6 लाख रूपए की आय अर्जित की है।

वर्ष 2025 में गठित इस समूह का उद्देश्य सामूहिक प्रयास के ज़रिए उत्पादन बढ़ाना और बेहतर बाज़ार तलाशना था। आजीविका गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए समूह को क्लस्टर से स्टार्टअप राशि 50 हजार रूपए, सखी क्लस्टर संगठन, बुदेली से ऋण एक लाख 50 हजार रूपए, कुल शुरुआती पूंजी 2 लाख रूपए। इस पूंजी की मदद से महिलाओं ने अपने खेतों में वैज्ञानिक तकनीक अपनाते हुए लौकी, करेला और खीरा की खेती शुरू की।

आधुनिक कृषि से 600 क्विंटल सब्जियों की बंपर पैदावार

महिलाओं की कड़ी मेहनत और आधुनिक कृषि तकनीकों के प्रयोग से खेतों में शानदार उत्पादन हुआ। सब्जी की फसल से बचत बढने लगी तो महिलाओं का हौसला बढ़ा। इसके साथ ही फसल का दायरा बढ़ाने लगी, जिससे पैदावार में बढ़ोत्तरी होने लगी। महिलाओं ने सामूहिक खेती कर लौकी 250 क्विंटल, करेला 250 क्विंटल, खीरा 100 क्विंटल का उत्पादन की। कुल सब्जी उत्पादन 600 क्विंटल होने लगा।

जो ठाना सो किया
- लौकी 250 क्विंटल
- करेला 250 क्विंटल
- खीरा 100 क्विंटल

बिचौलियों से मिली मुक्ति, सीधे थोक बाजार से जुड़ीं महिलाएं

सफलता की सबसे बड़ी कड़ी महिलाओं की विपणन (मार्केटिंग) रणनीति रही। बिचौलियों पर निर्भर रहने के बजाय समूह की दीदियों ने अपनी उपज को सीधे थोक बाजार तक पहुंचाया। इससे फसल का उचित दाम मिला।

सुशासन और जमीनी मॉनिटरिंग का असर

राज्य सरकार बिहान योजना के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने पर निरंतर कार्य कर रही है। जिला प्रशासन द्वारा बेहतर क्रियान्वयन, मैदानी मार्गदर्शन और सतत् मॉनिटरिंग से योजनाओं का सीधा लाभ हितग्राहियों तक पहुंच रहा है, जिससे ग्रामीण महिलाएं स्वरोजगार के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित कर रही हैं।

जीवामृत उपयोग का धान की फसल पर सकारात्मक प्रभाव

श्रीकंचनपथ समाचार

जीपीएम। जिले में जैविक खेती को बढ़ावा देने और किसानों को प्राकृतिक एवं जैविक कृषि पद्धतियों से जोड़ने के उद्देश्य से कलेक्टर विजय दयाराम के. के मार्गदर्शन में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। जिले के विभिन्न ग्रामों में जीवामृत जैविक खाद के उपयोग से तैयार धान की फसल का प्रदर्शन भ्रमण कराया गया।

जोगीसार, बढ़ावनडांड, भाड़ी, देवरी खुर्द एवं बारीउमराव ग्रामों में जीवामृत जैविक खाद का उपयोग कर तैयार की गई धान की फसल का प्रदर्शन उसी गांव के अन्य किसानों को कराया गया। प्रदर्शन के दौरान किसानों ने जीवामृत के उपयोग से फसल में दिखाई दे रहे सकारात्मक प्रभावों को प्रत्यक्ष रूप से देखा। फसल की स्थिति एवं वृद्धि को देखकर अनेक किसान आश्चर्यचकित हुए और जैविक खाद के उपयोग के प्रति उनकी रुचि बढ़ी।

किसानों को बताया गया कि जीवामृत जैसे जैविक खाद के उपयोग से खेती में प्राकृतिक संसाधनों का बेहतर उपयोग करते हुए मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने तथा रासायनिक खादों पर निर्भरता कम करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया जा सकता है। अन्य किसान भी स्वयं जीवामृत खाद का उपयोग करने के लिए प्रेरित हो रहे हैं। कलेक्टर के मार्गदर्शन में किए जा रहे इन प्रयासों का उद्देश्य किसानों को टिकाऊ कृषि पद्धतियों से जोड़ते हुए स्वस्थ मृदा, बेहतर कृषि उत्पादन और पर्यावरण अनुकूल खेती को बढ़ावा देना है।

मछली पालन के लिए बलरामपुर की दुर्गावती को मिला शासकीय अनुदान, एक लाख तक की आय

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। कभी पूंजी के अभाव में अधूरा रह गया सपना, अब आत्मनिर्भरता की नई उम्मीद बन चुका है। बलरामपुर जिला के ग्राम करीचलगली की श्रीमती दुर्गावती सिरोटिया ने प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना का लाभ लेकर अपने मछली पालन के सपने को हकीकत में बदल दिया है। शासकीय अनुदान और विभागीय तकनीकी मार्गदर्शन से तैयार उनका बायोफ्लॉक तालाब अब उनके लिए स्वरोजगार और आर्थिक मजबूती का नया आधार बन रहा है।

श्रीमती दुर्गावती की मछली पालन में लंबे समय से रुचि थी। वे चाहती थीं कि अपना व्यवसाय शुरू कर परिवार की आय बढ़ाएं और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनें। लेकिन व्यवसाय शुरू करने के लिए आवश्यक पूंजी उनके सामने सबसे बड़ी चुनौती थी। इसी बीच उन्हें प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के बारे में जानकारी मिली। योजना ने उनके सपने को आगे बढ़ाने का अवसर दिया।

योजना के तहत उन्होंने वर्ष 2025-26 में बायोफ्लॉक तालाब का निर्माण कराया। इसके लिए मत्स्य विभाग के माध्यम से उन्हें परियोजना लागत का 60 प्रतिशत शासकीय अनुदान मिला, जबकि शेष 40 प्रतिशत राशि उन्होंने स्वयं वहन की। विभाग ने उन्हें आवश्यक तकनीकी सहयोग और मछली पालन से संबंधित मार्गदर्शन भी उपलब्ध कराया। तालाब तैयार होने के बाद दुर्गावती अब मछली पालन को व्यवसाय के रूप में आगे बढ़ाने की तैयारी कर रही हैं। बायोफ्लॉक तालाब से उन्हें लगभग 5 से 6 क्विंटल मछली उत्पादन की संभावना है। इससे करीब एक लाख रुपये तक की आय होने की उम्मीद है।

नारायणपुर में घर-घर पहुंच रहा नल से पानी, आसान हुआ जीवन

- 379 गाँवों के 22,923 परिवारों तक पहुँचा नल कनेक्शन

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ के सुदूर, वनांचल और दुर्गम इलाकों में बसे नारायणपुर जिले में जल जीवन मिशन ग्रामीण परिवारों की जिंदगी में खुशहाली और बेहतर स्वास्थ्य की नई भोर लेकर आया है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के निरंतर प्रयासों से जिले के अंतिम व्यक्ति तक सुरक्षित, शुद्ध और पर्याप्त पेयजल पहुँचाने का संकल्प अब धरातल पर रंग ला रहा है। हर घर जल की इस मुहिम ने न केवल पेयजल का संकट दूर किया है, बल्कि ग्रामीणों के दैनिक जीवन को आसान बनाकर उनके जीवन स्तर को भी ऊँचा उठाया है।

जिले में योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के चलते नारायणपुर और ओरछा विकासखंड के 379 गाँवों में निर्धारित 33,009 घरेलू नल कनेक्शनों के लक्ष्य के मुकाबले अब तक 22,923 परिवारों को सफलतापूर्वक नल कनेक्शन प्रदान किए जा चुके हैं।

भौगोलिक रूप से कठिन और दूरस्थ अंचलों में निर्बाध जलापूर्ति सुनिश्चित करने के लिए सोलर पंपों को मजबूत आधार बनाया गया है। स्वीकृत सोलर पंप 1,084, स्थापित सोलर पंप 852, वर्तमान में चालू सोलर पंप 750, सौर ऊर्जा से 20 हजार 138 लाभान्वित घरों को सुरक्षित, शुद्ध और पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है।

इन प्रयासों का परिणाम है कि जिले के 119 गाँवों के 7,276 परिवारों को पूरी तरह शुद्ध पेयजल मिलने लगा है। इन गाँवों को 'हर घर जल' गाँव के रूप में प्रमाणित कर इनका प्रबंधन सीधे संबंधित ग्राम पंचायतों को सौंप दिया गया है।

इसके अतिरिक्त, 3,572 हैंडपंप भी ग्रामीणों की दैनिक जल आवश्यकताओं को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

सफलता की कहानी : डेढ़ लाख की पूंजी से उगा रहीं मशरूम, अब हर माह 50 हजार की कमाई

- खेतों से मशरूम उत्पादन तक मिथिला दीदी बनी आत्मनिर्भरता की मिसाल

श्रीकंचनपथ समाचार

सारंगढ़। पारंपरिक कृषि पर निर्भरता से निकलकर आत्मनिर्भरता की राह पकड़ने वाली ग्रामीण महिलाओं की सूची में अब सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के बरमकेला विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत खोरीगांव की मिथिला नायक दीदी का नाम भी जुड़ गया है। अपनी कड़ी मेहनत, सूझबूझ और शासकीय योजनाओं के सही क्रियान्वयन के बदौलत मिथिला दीदी ने अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को पूरी तरह बदल दिया है।

सीमित आय से आर्थिक मजबूती की ओर'

महिलाओं में आत्मनिर्भरता की जो लहर उठ रही हैए उसका एक प्रेरणादायक उदाहरण बरमकेला विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत खोरीगांव की मिथिला नायक दीदी हैए जिनके लिए मशरूम उत्पादन की खेती वरदान साबित हुई है। शुरुआत में परिवार की वित्तीय जरूरतों को पूरा करने के लिए केवल पारंपरिक खेती पर निर्भर रहना पड़ता था, जिससे घर का खर्च चलाना कठिन हो रहा था। इस चुनौती से निपटने के लिए मिथिला दीदी ने अन्नपूर्णा स्व-सहायता समूह से जुड़ने का फैसला किया। समूह से जुड़ने के बाद उन्हें सखी क्लस्टर संगठन, बुदेली के माध्यम से वित्तीय सहयोग प्राप्त हुआ।

मशरूम उत्पादन का व्यवसाय शुरू करने के लिए उन्होंने सखी क्लस्टर संगठन से ऋण 1 लाख 20 हजार रूपए, अपनी व्यक्तिगत बचत से 30 हजार रूपए इस प्रकार कुल शुरुआती लागतरू 1 लाख 20 हजार रूपए से मशरूम उत्पादन का कार्य शुरू की। शुरुआती दौर में यह कार्य नया था, लेकिन सीखने की ललक और निरंतर प्रयासों से जल्द ही मशरूम उत्पादन एक सफल आजीविका गतिविधि में बदल गया। शुरुआती दौर में तापमान नियंत्रण, मार्केटिंग और तकनीकी जानकारी की कमी जैसी कई समस्याएं सामने आईं। लेकिन मिथिला दीदी ने प्रशिक्षण लेकर और आपसी सहयोग से इन सभी चुनौतियों को अवसर में बदल दिया।

बेहतर गुणवत्ता और उत्पादन के चलते स्थानीय बाजारों में मशरूम की मांग तेजी से बढ़ी। वर्तमान में मिथिला दीदी अपने घर से ही मशरूम उत्पादन कर स्थानीय बाजार में बेचती हैं और प्रतिमाह लगभग 50 हजार रूपए की आमदनी अर्जित कर रही हैं। उनकी यह सफलता आज क्षेत्र की अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा स्रोत बन गई है।

सुशासन नीति और बेहतर मॉनिटरिंग का परिणाम

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

जिला प्रशासन की सतत् मॉनिटरिंग और जमीनी स्तर पर मार्गदर्शन से सरकारी योजनाओं का सीधा लाभ वास्तविक हितग्राहियों तक पहुँच रहा है, जिससे ग्रामीण महिलाएं स्वरोजगार के नए अवसर गढ़ रही हैं। आज आत्मनिर्भर भारत की सोच को जमीन पर उतारते हुए यह संदेश दे रही है कि छोटे कदम भी बड़े बदलाव ला सकते हैं।

पीएम सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना से सरगुजा में बढ़ रही ऊर्जा आत्मनिर्भरता, बिल हुआ शून्य अब अतिरिक्त बिजली से कमाई

सरगुजा। प्रधानमंत्री सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना सरगुजा जिले में परिवारों को बिजली खर्च से राहत देने के साथ उन्हें ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने का प्रभावी माध्यम बन रही है। सोलर संयंत्र अब केवल घरेलू बिजली की जरूरत पूरी करने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि हितग्राही अतिरिक्त बिजली का उत्पादन कर विद्युत ग्रिड में भी योगदान दे रहे हैं। अम्बिकापुर विकासखंड के ग्राम पंचायत आमदरहा निवासी आलम साय रजवाड़े इसकी प्रेरणादायी मिसाल हैं। संयंत्र लगने से पहले उनके घर का मासिक बिजली बिल लगभग 1,500 से 2,000 रुपये तक आता था। सौर ऊर्जा का उपयोग शुरू होने के बाद पिछले लगभग साढ़े तीन महीने से उनका बिजली बिल शून्य है।

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

रात की ड्यूटी के दौरान गायब हुआ कर्मचारी, पानी की टंकी में मिली लाश

जांजगीर-चांपा। शहर के मुड़ापार स्थित आरजी पेट्रोल पंप में तीन कर्मचारी ड्यूटी पर तैनात थे। ड्यूटी के दौरान ओमप्रकाश अचानक लापता हो गया। काफी देर तक नजर नहीं आने पर साथी कर्मचारी खुशी मिश्रा ने पंप संचालक को इसकी जानकारी दी। खोजबीन शुरू की गई तो पेट्रोल टंकी से लगी पानी की टंकी में उसकी लाश मिली। बताया जा रहा है कि पानी की टंकी में पानी और पेट्रोल दोनों मिला हुआ था और मृतक के शरीर से पेट्रोल की तेज दुर्गंध आ रही थी। आशंका जताई जा रही है कि मृतक शराब के नशे में था, क्योंकि बताया जा रहा है कि वह शराब पीने का आदी था। मानिकपुर चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और शव को टंकी से बाहर निकलवाया। पेट्रोल पंप कर्मचारी खुशी मिश्रा ने बताया कि तीन लोग ड्यूटी पर थे, तभी ओमप्रकाश अचानक गायब हो गया। संचालक को सूचना देने के बाद तलाश की गई तो टंकी में लाश मिली। पुलिस का कहना है कि मौत के कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही चलेगा।

दुर्ग बस स्टैंड में गांजा बेचने पहुंचा महाराष्ट्र का युवक गांजा के साथ हुआ गिरफ्तार

दुर्ग। दुर्ग बस स्टैंड के यात्री प्रतीक्षालय के पास पुलिस ने गांजा बेचने की कोशिश कर रहे महाराष्ट्र के एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक युवक दूसरे राज्य से गांजा लेकर दुर्ग पहुंचा था और बस स्टैंड के आसपास ग्राहकों की तलाश कर रहा था। पूछताछ में युवक ने अपना नाम वसंत श्याम राव ओमकारे, उम्र 32 वर्ष बताया। वह महाराष्ट्र के पुणे जिले का रहने वाला है। तलाशी में उसके काले रंग के बैग से 2 किलो 520 ग्राम गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने आरोपी वसंत श्याम राव ओमकारे को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। अब जांच में यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि गांजा किससे खरीदा गया था और दुर्ग में इसे किन लोगों तक पहुंचाया जाना था।

ट्रेनों में चोरी करने वाली दो महिला चोर गिरफ्तार

बिलासपुर। जीआरपी बिलासपुर ने ट्रेनों में चोरी करने वाले महिला गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने दो महिला चोरों को उनके गांव से गिरफ्तार किया है। उनकी निशानदेही पर करीब 5.40 लाख रुपए के सोने के जेवर बरामद किए गए हैं। गिरोह की एक अन्य महिला सदस्य फरार है, जिसकी तलाश की जा रही है। डेढ़ महीने पहले नागपुर रोड स्टेशन पर अंबिकापुर-शहडोल एक्सप्रेस के स्लीपर कोच में एक महिला यात्री के हैंडबैग से सोने के जेवर चोरी हुए थे। महिला के स्टेशन पर उतरते समय चोरी की वारदात हुई थी। इसके बाद जीआरपी ने मामले की जांच शुरू की। जीआरपी प्रभारी विश्वनाथ चक्रवर्ती ने बताया कि 8 सितंबर की शाम करीब 4.10 बजे पुलिस टीम ने ग्राम केराडोल, थाना पोड़ी में घेराबंदी कर रिकी बसोंड (35) और वर्षा उर्फ कचरी बसोंड (23) को गिरफ्तार किया।

बुलेट से स्टंट कर रील बनाने वाले को बचाने नशे में थाने पहुंचे 5 युवक के खिलाफ एफआईआर दर्ज

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। दुर्ग के जामुल थाना क्षेत्र में देर रात बुलेट से स्टंट कर रील बनाने वाले युवक को पुलिस ने शराब के नशे में पकड़ लिया। बुलेट पर तीन युवक सवार थे। चालक तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चला रहा था। पुलिस ने चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई की है। वहीं, दोस्तों को कार्रवाई से बचाने के लिए थाने पहुंचे शराबी दोस्तों पर भी पुलिस ने कार्रवाई की।

घटना 7 सितंबर की रात करीब 2 बजे की है। पुलिस के अनुसार, बुलेट पर तीन युवक सवार होकर घूम रहे थे। बुलेट में तेज आवाज वाला मॉडिफाइड साइलेंसर लगा था। युवक तेज रफ्तार में वाहन चलाते हुए स्टंट कर रील बना रहे थे। पुलिस टीम ने बुलेट को रोककर चालक की जांच की। चालक पवन तिवारी, निवासी

हाउसिंग बोर्ड जामुल, शराब के नशे में वाहन चलाता मिला। पुलिस ने उसके खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई की है।

चालक के खिलाफ कार्रवाई के करीब पांच मिनट बाद काले रंग की थार से पांच युवक जामुल थाने पहुंचे। थार पर नंबर प्लेट नहीं लगी थी। पुलिस ने थाने पहुंचे पांचों युवकों का शराब परीक्षण कराया। जांच में सभी शराब के नशे में मिले।

पुलिस ने अंश कुमार, नमन पगार, अमित कुमार जायसवाल, नितिन शर्मा और आर्यन मिश्रा के खिलाफ आबकारी कानून के तहत कार्रवाई की है। पुलिस के मुताबिक, पांचों युवक शराब के नशे में सार्वजनिक स्थान यानी थाना परिसर में पहुंचे थे।

नशे की हालत में पाए जाने और लोक शांति भंग करने के मामले में उनके खिलाफ आबकारी कानून की धारा 36(च) के तहत कार्रवाई की गई।

रील देखते नेटवर्क गया तो महिला ने तोड़ा फोन पिया जहर, गोबर पानी पिलाकर पहुंचाया अस्पताल

श्रीकंचनपथ समाचार

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में मोबाइल पर रील और सीरियल देखने की लत ने एक महिला की जान ले ली। 52 साल की मंगलो बाई ने रील देखते समय नेटवर्क चले जाने से गुस्से में कीटनाशक पी लिया। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार, केराकछार गांव में रहने वाला प्रेमलाल सारथी मजदूरी करता है। वह पत्नी मंगलो बाई (52) और 3 बच्चों का पालन-पोषण करता था। परिजनों के मुताबिक, मंगलो बाई को मोबाइल पर रील और सीरियल देखने की आदत थी।

शनिवार दोपहर करीब 12 बजे मंगलो खाना खा रही थी और साथ में मोबाइल पर रील देख रही थी। इसी दौरान अचानक मोबाइल में नेटवर्क चला गया। उसने कुछ देर इंतजार किया, लेकिन नेटवर्क नहीं आया और रील शुरू नहीं हुई। इससे वह गुस्सा हो गई और मोबाइल को जमीन पर पटक दिया, जिससे वह टूट गया। इसके बाद मंगलो कमरे के अंदर चली गई और दरवाजा अंदर से बंद कर लिया। करीब 10 मिनट बाद वह कमरे से बाहर आई और बरामदे में जाकर बैठ गई।

कुछ देर बाद उसे लगातार उल्टियां होने लगी।

कमरे में मिला कीटनाशक का खाली डिब्बा

शुरुआत में परिजनों को लगा कि उसकी तबीयत खराब हो गई है। लेकिन उल्टी से जहरीले पदार्थ जैसी दुर्गंध आने पर उन्हें शक हुआ। परिजनों ने कमरे की जांच की तो वहां कीटनाशक का खाली डिब्बा मिला। इसके बाद उन्हें अंदेशा हुआ कि मंगलो ने कीटनाशक पी लिया है।

परिजन तुरंत डायल-112 की मदद से उसे करतला स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे। वहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर उसे संजीवनी एक्सप्रेस से कोरबा मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर किया गया। यहां उसका इलाज चल रहा था। रविवार को इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

अस्पताल ले जाने से पहले गोबर पानी पिलाया

मृतका के पति प्रेमलाल ने पुलिस को बताया कि गांव में चली आ रही पुरानी मान्यता के चलते अस्पताल ले जाने से पहले उन्होंने मंगलो को उल्टी कराने के लिए गोबर पानी भी पिलाया था। हालांकि, उसकी हालत में सुधार नहीं हुआ और बाद में उसे अस्पताल ले जाया गया।

मोबाइल की लत को लेकर एक्सपर्ट ने दी चेतावनी

मनोरोग विशेषज्ञ डॉ. अंकित गुप्ता के मुताबिक, आजकल कई परिवारों में माता-पिता काम में व्यस्त रहते हैं। ऐसे में बच्चों को व्यस्त रखने के लिए उन्हें मोबाइल दे दिया जाता है। धीरे-धीरे मोबाइल ही उनका साथी बन जाता है।

उन्होंने बताया कि स्कूल-कॉलेज में भी मोबाइल का इस्तेमाल और उससे जुड़ी बातें आम हो गई हैं। ऐसे में जब मोबाइल छीन लिया जाता है या ज्यादा इस्तेमाल करने पर डांट पड़ती है तो कुछ बच्चों और युवाओं में अकेलापन, चिड़चिड़ापन और तनाव बढ़ सकता है। गंभीर स्थिति में वे आत्मघाती कदम तक उठा सकते हैं। ऐसे मामलों में परिवार को बच्चों से बातचीत करने और उनकी परेशानी समझने पर ध्यान देना चाहिए। कोरबा मेडिकल कॉलेज में आत्महत्या के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। इनमें कई मरीजों को समय पर इलाज मिलने से बचा लिया जाता है, लेकिन पिछले 8 महीनों में ऐसे मामलों में 57 लोगों की मौत हो चुकी है। यानी औसतन हर महीने करीब 7 लोगों की जान सुसाइड से जा रही है। इन मामलों में बच्चे, युवा और बुजुर्ग सभी शामिल हैं।

पुरानी रंजिश में युवक की गला रेतकर हत्या, 18 साल का आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ समाचार

धमतरी। जिले के अर्जुनी थाना क्षेत्र के ग्राम कंडेल में युवक की गला रेतकर हत्या के मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस ने मामले में 18 वर्षीय आरोपी युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

पुलिस के अनुसार 6 सितंबर की रात करीब 9 बजे ग्राम कंडेल में पारसमणी साहू (34) की धारदार हथियार से गला रेतकर हत्या कर दी गई थी। पारसमणी साहू राजमिस्त्री का काम करता था। घटना के समय वह गांव के गौठान स्थित बरगद के पेड़ के पास मौजूद था।

इसी दौरान आरोपी ने पूर्व विवाद और पुरानी रंजिश के चलते उस पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। गंभीर चोट लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही अर्जुनी थाना प्रभारी निरीक्षक शरद ताम्रकार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। मृतक के पिता भारत राम साहू की रिपोर्ट के आधार पर अर्जुनी थाने में अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

पुलिस टीम ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण कर आवश्यक फॉरेंसिक और तकनीकी साक्ष्य जुटाए। जांच के दौरान मिले साक्ष्यों के आधार पर ग्राम कंडेल निवासी यावेन्द्र कुमार ध्रुव पिता दिनेश कुमार ध्रुव को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पुलिस के मुताबिक पूछताछ में आरोपी ने पारसमणी साहू की हत्या करना स्वीकार किया। पुलिस ने आरोपी यावेन्द्र कुमार ध्रुव को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। मामले में पुलिस की आगे की कार्रवाई जारी है।

शक के चलते ली पत्नी की जान, मोबाइल पर बात करने को लेकर हुआ था विवाद

श्रीकंचनपथ समाचार

धमतरी। जिले में नवविवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हत्या की पुष्टि होने के बाद भखारा पुलिस ने मृतका के पति को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी ने पत्नी की गला घोंटकर हत्या करने के बाद घटना को आत्महत्या का रूप देने की कोशिश की थी। आरोपी को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। पुलिस के अनुसार मृतका वीणा ध्रुव की मौत संदिग्ध परिस्थितियों में हुई थी। मामले में पुलिस ने परिजनों और गवाहों के बयान दर्ज किए और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में चिकित्सक ने हत्या की पुष्टि की। इसके बाद भखारा पुलिस ने धारा 103(1) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की।

जांच के दौरान पुलिस ने मृतका के पति विवेक ध्रुव उर्फगोलू (30), पिता राजकुमार ध्रुव, निवासी सुपैला से पूछताछ की। पुलिस के मुताबिक पूछताछ में आरोपी ने बताया कि पत्नी के मोबाइल पर किसी अन्य व्यक्ति से बातचीत करने की बात को लेकर

दोनों के बीच विवाद हुआ था। आरोपी के अनुसार 4 सितंबर की शाम करीब 5 बजे विवाद के चलते उसने कमरे में कपड़े सुखाने के लिए इस्तेमाल होने वाली नायलॉन की रस्सी से पत्नी का गला घोंट दिया। पत्नी की मौत के बाद घटना को छिपाने और आत्महत्या का रूप देने के उद्देश्य से शव को फांसी पर लटकाने का प्रयास किया गया।

पुलिस ने आरोपी से पूछताछ के आधार पर घटना में इस्तेमाल की गई नायलॉन की रस्सी उसके कमरे से बरामद कर जब्त की और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर विवेक ध्रुव उर्फ गोलू को गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। मामले में पुलिस की आगे की जांच जारी है।

जमीन विवाद में दामाद ने ससुर को मार डाला नदी में फेंकने जा रहा था शव, पुलिस ने दबोचा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। रायपुर धरसीवां पुलिस ने एक करोड़ रुपये की जमीन की रकम के विवाद में अपने ससुर मोहन निषाद की हत्या करने वाले मुख्य आरोपी दामाद हेमराज निषाद समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

आरोप है कि हेमराज ने शराब के नशे में विवाद के बाद जीआई तार से गला घोंटकर ससुर की हत्या कर दी। इसके बाद चाचा रोहित निषाद और दोस्त संजय निषाद की मदद से शव को चादर में लपेटकर टाटा मैजिक में रखा और खारुन नदी में फेंकने के लिए ले जाने लगा। रास्ते में पुलिस की गश्ती टीम को देखकर आरोपी वाहन छोड़कर फरार हो गए। बाद में पुलिस के बढ़ते दबाव के चलते मुख्य आरोपी हेमराज ने आत्मसमर्पण कर दिया।

मृतक पठारीडीह निवासी मोहन निषाद ने हाल ही में करीब एक करोड़ रुपये में जमीन बेची थी। इस रकम में हिस्सेदारी और रुपये की मांग को लेकर उसका बड़े दामाद हेमराज निषाद

से विवाद चल रहा था। करीब एक महीने पहले भी दोनों के बीच झगड़ा हुआ था। तीन सितंबर की रात मोहन ने हेमराज को शराब पार्टी के लिए बुलाया था। शराब पीने के दौरान जमीन बेचने से मिली रकम को लेकर फिर विवाद शुरू हो गया। कहासुनी बढ़ने पर हेमराज ने गुस्से में जीआई तार से मोहन का गला घोंट दिया। इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

हत्या के बाद हेमराज ने साक्ष्य मिटाने के लिए अपने चाचा रोहित निषाद और दोस्त संजय निषाद को बुलाया। तीनों ने शव को चादर में लपेटकर भाड़े की टाटा मैजिक में रखा। इसके बाद शव को खारुन नदी में फेंकने के लिए रवाना हुए। चार सितंबर की रात करीब 1:15 बजे धरसीवां पुलिस की गश्ती टीम परसतराई इलाके में नहर पुलिया के पास तैनात थी। इसी दौरान पुलिस ने सामने से आ रही टाटा मैजिक को रुकने का इशारा किया। पुलिस को देखकर चालक ने वाहन पीछे किया और तेज रफ्तार में परसतराई बस्ती की ओर भागने लगा। आरोपियों ने शीतला मंदिर के पास टाटा मैजिक खड़ी की और अंधेरे का फायदा उठाकर खेतों की ओर भाग निकले। पुलिस ने वाहन की तलाशी ली तो उसमें चादर में बंधा शव बरामद हुआ।

वाहन पर लिखे मोबाइल नंबर के आधार पर पुलिस की जांच रावाभाठा निवासी संजय उर्फ मोरध्वज चौहान तक पहुंची। जांच में सामने आया कि वारदात के बाद आरोपी बस से बिलासपुर पहुंचे और रतनपुर में छिप गए थे।

पुलिस की लगातार दबिश और बढ़ते दबाव के बाद मुख्य आरोपी हेमराज ने आत्मसमर्पण कर दिया। इसके बाद पुलिस ने उसके चाचा रोहित निषाद और दोस्त संजय निषाद को भी गिरफ्तार कर लिया।

तेज रफ्तार कार ने साइकिल सवार को रौंदा, मौके पर मौत

श्रीकंचनपथ समाचार

कोरबा। कोरबा जिले में तेज रफ्तार वाहनों का कहर जारी है। उरगा थाना क्षेत्र के खेरभावना गांव के पास सोमवार देर रात तेज रफ्तार अज्ञात कार ने साइकिल सवार को टक्कर मार दी। हादसे में उसकी मौके पर ही मौत हो गई। टक्कर के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया। मृतक की पहचान सुरेंद्र सिंह कंवर (47) के रूप में हुई है। वह कनबेरी गांव के रहने वाले और स्वर्गीय दुबराज सिंह कंवर के बेटे थे। सुरेंद्र कोरबा से काम खत्म कर साइकिल से अपने गांव लौट रहे थे। इसी दौरान खेरभावना के पास हादसा हो गया।

हादसे के बाद गुस्साए ग्रामीणों ने सड़क पर शव रखकर करीब दो घंटे तक चक्का जाम किया। ग्रामीणों ने मुआवजे और सड़क पर स्ट्रीट लाइट लगाने की मांग की। जाम के कारण दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतार लग गई।

25 हजार की सहायता के आश्वासन पर हटाया जाम

पुलिस ने ग्रामीणों को समझाया और 25 हजार रुपए की तत्काल सहायता राशि देने का आश्वासन दिया। इसके बाद ग्रामीणों ने चक्का जाम खत्म कर दिया। ग्रामीणों का कहना है कि खेरभावना के पास सड़क पर अंधेरा रहता है। स्ट्रीट लाइट नहीं होने के कारण यहां आए दिन हादसे होते हैं। उन्होंने प्रशासन से जल्द स्ट्रीट लाइट लगाने और तेज रफ्तार वाहनों पर नियंत्रण की मांग की है।

सूचना मिलते ही उरगा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं। पुलिस फरार कार चालक की तलाश कर रही है। थाना प्रभारी नवीन पटेल ने बताया कि अज्ञात कार चालक के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

अभनपुर हत्या-लूटकांड में नाबालिग समेत 3 आरोपी गिरफ्तार

राहगीर को पेट्रोल खत्म होने का बहाना बनाकर रोका, विरोध करने पर 5 बार चाकू घोंपा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। रायपुर ग्रामीण के अभनपुर थाना क्षेत्र के मानिकचौरी में हुई हत्या और लूट का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। नाबालिग समेत 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर वारदात में इस्तेमाल धारदार चाकू समेत बाकी सामग्री बरामद की है।

रायपुर ग्रामीण पुलिस के अधिकारियों ने बताया कि, आरोपी 4 सितंबर की रात को करीब 1 बजे दोनों बाइक से अभनपुर की ओर निकले। हसदा मोड़ के पास उन्हें एक व्यक्ति आता दिखाई दिया। आरोपियों ने पेट्रोल खत्म होने का बहाना बनाकर उसे रोकने की कोशिश की। बाइक नहीं रोकने

पर आरोपियों ने पीछा कर ओवरटेक कर उसे रोक लिया।

विरोध करने पर चाकू से कई वार

बातचीत के दौरान छबी जांगड़े ने देवाराम के साथ मारपीट शुरू कर दी। इसके बाद वेदप्रकाश ने भी मारपीट करते हुए उसे पकड़ लिया। विरोध करने पर नाबालिग ने धारदार चाकू से देवाराम पर कई वार कर दिए।

गंभीर रूप से घायल होकर वह सड़क पर गिर गया। इसके बाद आरोपी उसका मोबाइल और 1000 रुपए कैश लेकर फरार हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची, जहां देवाराम मृत अवस्था में मिला।

पुलिस ने घटना स्थल और आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी साक्ष्यों और स्थानीय सूचना के आधार पर जांच आगे बढ़ाई। तीनों को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पुलिस के मुताबिक पूछताछ में आरोपियों ने वारदात करना स्वीकार किया। उनकी निशानदेही पर चाकू और अन्य सामग्री बरामद की गई।

पुलिस के अनुसार, मुख्य आरोपी नाबालिग के खिलाफ पहले से 6 गंभीर मामले दर्ज हैं। वह 12 अगस्त 2026 को राजिम थाने के एक मामले में जमानत पर बाहर आया था। अन्य दोनों आरोपियों के खिलाफ भी पहले से आपराधिक मामले दर्ज हैं। तीनों को न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, जांच के दौरान मृतक देवाराम साहू की जुए की फड़ से संबद्धता की जानकारी भी सामने आई है। पुलिस इस एंगल से भी मामले की जांच कर रही है कि कहीं हत्या के पीछे जुए से जुड़ा कोई विवाद तो नहीं था। हालांकि, अभी तक पुलिस ने इसे हत्या की वजह नहीं माना है और जांच जारी है।

हत्या में शामिल एक आरोपी फरार

पुलिस के मुताबिक, मामले में हत्या में शामिल एक आरोपी अभी फरार है। उसकी तलाश की जा रही है। पुलिस आरोपियों के आपराधिक रिकॉर्ड और वारदात में अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच कर रही है। उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

प्रतिबंधित नशीली टैबलेट बेचते युवक गिरफ्तार

रायपुर। नशे के अवैध कारोबार और प्रतिबंधित नशीली दवाओं की बिक्री के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत डी.डी. नगर पुलिस ने एक युवक को प्रतिबंधित नशीली टैबलेट बेचते हुए गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 42 नग Nitrazepam Tablets IP, Nitrosun-10, बिक्री से प्राप्त 600 नगद और घटना में प्रयुक्त हीरो स्प्लेंडर मोटरसाइकिलजब्त की है। जब्त मशरूके की कुल अनुमानित कीमत करीब 40,936 बताई गई है। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम कुलेश्वर यादव (21), पिता मनहरण यादव, निवासी ग्राम कुलगांव, थाना कुम्हारी, जिला दुर्ग बताया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपराध क्रमांक 557/2026, धारा 22(बी) एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की है।

खास खबर

सेवा संकल्प अभियान का आयोजन 17 सितंबर से

बालोद। कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा ने कहा कि देश व प्रदेश के साथ जिले में भी 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक 'सेवा संकल्प अभियान' का सफल आयोजन सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि अभियान के सफल संपादन हेतु जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को नोडल अधिकारी बनाया गया है। उन्होंने अभियान के अंतर्गत होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों और गतिविधियों के संबंध में सभी संबंधित अधिकारियों से विस्तृत चर्चा करते हुए कार्यक्रम स्थल का चिन्हांकन और बेहतर ढंग से कार्यक्रम के आयोजन हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर ने बाल दिव्यांग प्रमाणीकरण अभियान के संबंध में कहा कि इस प्रमाणीकरण शिविर का लाभ जिले के सभी 06 से 18 वर्ष के आयु वर्ग के दिव्यांगजनों को प्रदान करना सुनिश्चित करें।

उल्लास नवभारत साक्षरता महापरीक्षा अंतिम सप्ताह में

रायगढ़। जिले में उल्लास नव भारत साक्षरता कार्यक्रम के तहत सितंबर माह के अंतिम सप्ताह में आयोजित होने वाले महापरीक्षा अभियान की तैयारियां तेज कर दी गई हैं। कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी ने जिले को शत-प्रतिशत साक्षर बनाने के लक्ष्य को लेकर अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित करने तथा चिन्हांकित असाक्षरों को नियमित रूप से पठन-पाठन से जोड़कर महापरीक्षा में शामिल कराने पर जोर दिया है। उल्लास नव भारत साक्षरता कार्यक्रम राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप 15 वर्ष एवं उससे अधिक आयु के ऐसे वयस्कों को साक्षर एवं सशक्त बनाने के उद्देश्य से संचालित किया जा रहा है, जो स्कूली शिक्षा प्राप्त नहीं कर सके हैं। अभियान के तहत शेष ग्रामों एवं वार्डों में घर-घर सर्वेक्षण कर असाक्षरों की पहचान की जाएगी।

स्वास्थ्य विभाग की तत्परता से आसान हुआ प्रसव

पहाड़ी कोरवा गर्भवती को अस्पताल ले जाकर कराया सुरक्षित प्रसव, ट्रिपलेट्स को दिया जन्म

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। बलरामपुर जिले के दूरस्थ एवं आदिवासी बहुल क्षेत्रों में जरूरतमंद मरीजों तक समय पर स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा किए जा रहे सतत प्रयासों का सकारात्मक परिणाम सामने आया है। एक ऐसे ही मामले में एक गर्भवती पहाड़ी कोरवा महिला को घर से अस्पताल लाकर उसका प्रसव कराया गया। उसने एक साथ तीन शिशुओं को जन्म दिया है।

राजपुर विकासखंड की अति-जोखिम वाली गर्भवती पहाड़ी कोरवा महिला श्रीमती बसंती किसी कारणवश जिला अस्पताल अंबिकापुर से बिना उपचार कराए अपने गांव वापस लौट आई थीं। इसकी जानकारी मिलते ही विभागीय अमला तत्काल सक्रिय हुआ और महिला को त्वरित चिकित्सकीय सुविधा उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक तैयारियां की गई।

स्वास्थ्य विभाग के मैदानी अमले, मितानिन, 102 एंबुलेंस टीम तथा अस्पताल के चिकित्सकों के समन्वित एवं त्वरित प्रयासों के फलस्वरूप श्रीमती बसंती ने तीन स्वस्थ बच्चों को जन्म दिया। वर्तमान में मां और तीनों नवजात शिशु पूरी तरह स्वस्थ हैं तथा चिकित्सकों की निगरानी में हैं।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. विजय कुमार सिंह ने बताया कि अति-जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं के मामले में समय पर पहचान, नियमित निगरानी और तत्काल रेफरल अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। उन्होंने कहा कि दूरस्थ व आदिवासी अंचलों में प्रत्येक गर्भवती महिला को सुरक्षित मातृत्व की सुविधा उपलब्ध कराना विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने सजग स्वास्थ्य अमले, त्वरित एंबुलेंस सेवा और मैदानी कार्यकर्ताओं के इस उत्कृष्ट समन्वय की सराहना की।

महिला पत्रकारों के साथ राजवाड़े ने किया रैंप वॉक

रायपुर। रायपुर प्रेस क्लब में रविवार को आयोजित महिला पत्रकारों का तीज महोत्सव पारंपरिक उल्लास, उमंग और आत्मीयता के रंगों से सराबोर रहा। महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने भी पारंपरिक छत्तीसगढ़ी अंदाज में रैंप वॉक किया। सिर पर पल्लू लेकर पारंपरिक छत्तीसगढ़ी अंदाज में उनका रैंप पर उतरना विशेष रूप से सराहा गया। तीज महोत्सव में राज्यसभा सदस्य श्रीमती लक्ष्मी वर्मा और विधायक श्रीमती भावना बोहरा ने भी महिला पत्रकारों के साथ रैंप वॉक कर कार्यक्रम की रौनक बढ़ाई। तीज महोत्सव के दौरान महिला पत्रकारों के लिए विभिन्न मनोरंजक खेल और प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। महिला पत्रकारों ने उत्साहपूर्वक इनमें हिस्सा लिया और हंसी-मजाक तथा मस्ती के बीच आयोजन का आनंद लिया। प्रतियोगिताओं के दौरान प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया गया और उनकी प्रस्तुतियों का मूल्यांकन किया गया। कार्यक्रम में रायपुर प्रेस क्लब अध्यक्ष मोहन तिवारी, महासचिव गौरव शर्मा, उपाध्यक्ष दिलीप साहू, कोषाध्यक्ष दिनेश यदु, संयुक्त सचिव निवेदिता साहू एवं भूपेश जांगड़े सहित अमृता शर्मा, प्रियंका कौशल, मीनल शर्मा, आकांक्षा दुबे, विनीता मंडल, सोनल भारद्वाज, सुजाता साहा, अंबिका मिश्रा सहित बड़ी संख्या में महिला पत्रकार एवं प्रेस क्लब सदस्य उपस्थित रहे।

रायगढ़ मेडिकल कॉलेज में महिला के पेट से निकाला 8 किलोग्राम का विशालकाय ट्यूमर

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। लखीराम अग्रवाल स्मृति शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय एवं संबद्ध संत बाबा गुरु घासीदास जी स्मृति चिकित्सालय, रायगढ़ के डॉक्टरों ने एक बेहद जटिल और जोखिम भरे ऑपरेशन को सफलतापूर्वक अंजाम देकर एक 46 वर्षीय महिला को नई जिंदगी दी है।

झलमला निवासी चंपा यादव के पेट से एक विशालकाय ट्यूमर (फाइब्रॉएड) निकाला गया है, जिसका वजन 8 किलोग्राम था, जो आकार में एक बड़े फुटबॉल के बराबर है। चंपा यादव पिछले एक महीने से पेट में तेज दर्द, अत्यधिक सूजन और उल्टी की समस्या थीं। 22 अगस्त को जब उन्हें अस्पताल लाया गया, तब उनकी हालत बेहद गंभीर थी और शरीर में खून की भारी कमी थी। सीटी स्कैन और अल्ट्रासाउंड में स्पष्ट हुआ कि इस विशाल गांठ के दबाव के कारण गर्भाशय विस्थापित हो गया था और बायीं मूत्रवाहिनी दब गई थी, जिससे किडनी पर भी विपरीत असर पड़ रहा था और लिवर के पैरामीटर्स बिगड़ चुके थे।

उन्हें कई यूनिट पैक्ड रेड ब्लड सेल चढ़ाए गए और उसे स्टेबिलाइज किया गया। 1 सितंबर को हाई रिस्क सर्जरी को अंजाम दिया गया। यह भारी भरकम ट्यूमर मरीज की आंतों से बेहद गहराई से चिपका हुआ था। स्त्री रोग, जनरल सर्जरी एवं निश्चेतना विभाग के डॉक्टरों की संयुक्त टीम ने आंतों के जटिल जुड़ाव को हटाया और मूत्रवाहिनियों को सुरक्षित रखते हुए ट्यूमर को निकाल दिया गया।

सत्य, तथ्य और जनहित को दें पत्रकारिता में सर्वोच्च प्राथमिकता, शोध केन्द्र का राज्यपाल ने किया शुभारंभ

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका ने कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय में सावित्रीबाई फुले कन्या छात्रावास का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने मेधा एआई एवं मीडिया शोध केंद्र का उद्घाटन भी किया। विश्वविद्यालय के शिक्षकों एवं राज्यपाल ने कहा कि आज का दिन विश्वविद्यालय के लिए विशेष महत्व रखता है।

राज्यपाल ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के आगमन से मीडिया और पत्रकारिता के स्वरूप में तेजी से परिवर्तन हो रहा है। ऐसे समय में विश्वविद्यालय में स्थापित मेधा एआई एवं मीडिया शोध केंद्र विद्यार्थियों को नई तकनीकों को समझने तथा उनके जिम्मेदार और प्रभावी उपयोग के लिए तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। राज्यपाल ने विश्वविद्यालय के प्रेरणा स्त्रोत स्वर्गीय कुशाभाऊ ठाकरे की प्रतिमा में श्रद्धा-सुमन अर्पित किये। उन्होंने स्व. ठाकरे जी के सानिध्य में बिताए गए अवसरों और प्रेरणादायी उद्धरणों को साझा किया।

श्री डेका ने कहा कि पत्रकारिता लोकतंत्र का महत्वपूर्ण आधार है और इसकी विश्वसनीयता बनाए रखना प्रत्येक पत्रकार का दायित्व है। समाचारों में तथ्य, सत्य और जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। किसी भी व्यक्ति के संबंध में समाचार प्रकाशित करने से पहले तथ्यों की पूर्ण पुष्टि आवश्यक है, क्योंकि एक समाचार का प्रभाव व्यक्ति और समाज दोनों पर पड़ सकता है।

श्री डेका ने कहा कि सोशल मीडिया के वर्तमान दौर में सूचनाओं का तेजी से प्रसार हो रहा है, लेकिन सोशल मीडिया पर उपलब्ध प्रत्येक सामग्री सत्य हो, यह आवश्यक नहीं है। ऐसे में पत्रकारों को तथ्यों की जांच-पड़ताल के बाद ही समाचारों को प्रसारित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के साथ जिम्मेदारी भी जुड़ी हुई है। एक श्रेष्ठ पत्रकार वह नहीं जो सबसे पहले खबर दे, बल्कि वह है जो सही, तथ्यपरक और जिम्मेदारी के साथ खबर दे।

राज्यपाल ने प्रिंट मीडिया के महत्व का उल्लेख करते हुए कहा कि इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, एआई और सोशल मीडिया के आधुनिक दौर में भी प्रिंट मीडिया आज भी विश्वसनीय माध्यम समाज में बना हुआ है। पत्रकारिता को समाज के अंतिम व्यक्ति की आवश्यकताओं और समस्याओं को सामने लाने तथा व्यवस्था में आवश्यक सुधार के लिए अपनी भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने कहा कि समाज में अनेक ऐसे व्यक्तित्व हैं, जिन्होंने उल्लेखनीय कार्य किए हैं, लेकिन वे व्यापक रूप से पहचाने नहीं जा सके। ऐसे अनसुने नायक-नायिकाओं के कार्यों को समाचारों और लेखों के माध्यम से समाज के सामने लाने से अन्य लोगों को भी प्रेरणा मिलेगी।

राज्यपाल ने विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों की संख्या बढ़ाने के लिए समन्वित प्रयास करने तथा कम से कम एक हजार विद्यार्थियों का लक्ष्य निर्धारित कर कार्य करने की आवश्यकता बताई।

उद्योग मंत्री ने 1500 छात्राओं को दी एजुकेशन किट की सौगात, डोम की घोषणा

श्रीकंचनपथ समाचार

कोरबा। शासकीय मिनीमाता कन्या महाविद्यालय में आयोजित दीक्षारम्भ समारोह में कैबिनेट मंत्री लखन लाल देवांगन ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के तहत नवप्रवेशित छात्राओं का स्वागत किया और अतिथियों द्वारा महाविद्यालय की लगभग 1,500 छात्राओं को सीएसआर मद के माध्यम से एजुकेशन किट प्रदान की गई। कार्यक्रम में महापौर श्रीमती संजू देवी राजपूत अति विशिष्ट अतिथि तथा कलेक्टर कुणाल दुदावत विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

शिक्षा के क्षेत्र में अधोसंरचनात्मक विकास पर जोर देते हुए मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि मिनीमाता कन्या महाविद्यालय में डीएमएफ मद से विशाल डोम का निर्माण कराया जाएगा। श्री देवांगन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के वर्ष 2047 तक विकसित छत्तीसगढ़ के संकल्प में युवाओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। प्रदेश का विकास मॉडल गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी पर केंद्रित है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रभावी क्रियान्वयन से प्रदेश का सकल नामांकन अनुपात वर्ष 2021-22 के 19.6 प्रतिशत से बढ़कर वर्तमान में 27.5 प्रतिशत हो गया है।

महापौर संजू देवी राजपूत ने छात्राओं को देश का भविष्य और विकसित भारत की महत्वपूर्ण कड़ी बताते हुए निरंतर मेहनत और संघर्ष के साथ सफलता के शिखर तक पहुँचने का आह्वान किया।

कलेक्टर कुणाल दुदावत ने स्पष्ट किया कि जिले में डीएमएफ मद के कार्यों में शिक्षा को विशेष प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने कहा कि जिले के छात्र-छात्राओं को देश के किसी भी शासकीय महाविद्यालय में उच्च अध्ययन के लिए वित्तीय सहायता दी जाएगी। इस अवसर पर स्थानीय पार्षद, महाविद्यालय की प्राचार्य श्रीमती पपिया चतुर्वेदी, प्राध्यापकगण एवं जनप्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

शिक्षा में नवाचार और स्टार्टअप की सोच बढ़ाना जरूरी

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। शिक्षा में नवाचार, रचनात्मकता और विद्यार्थियों में उद्यमशील सोच को बढ़ावा देना समय की आवश्यकता है। बदलती तकनीक के दौर में बच्चों को केवल किताबी ज्ञान तक सीमित न रखते हुए उनमें जिज्ञासा, नई सोच और समस्या समाधान की क्षमता विकसित करना जरूरी है। यह बात वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक ओपी चौधरी ने पीएम-श्री शासकीय विद्यालय कोड़ातराई में आयोजित शिक्षक सम्मान सह फन फेयर कार्यक्रम में कही।

वित्त मंत्री श्री चौधरी ने शिक्षक दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में विद्यालय के नवीन भवन निर्माण के लिए भूमिपूजन किया। उन्होंने विद्यार्थियों द्वारा लगाए गए विभिन्न स्टॉलों का अवलोकन किया और उनकी रचनात्मकता, आत्मविश्वास एवं नवाचार की सोच की सराहना की। उन्होंने कहा कि शिक्षकों का दायित्व केवल पाठ्यक्रम पूरा कराना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों की प्रतिभा को पहचानकर उसे निखारने और उन्हें भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करने का भी है।

फन फेयर विद्यार्थियों के व्यावहारिक सीखने और नेतृत्व क्षमता का प्रभावी उदाहरण बना। शिक्षकों के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने स्वयं मंच संचालन, अतिथि सत्कार, अनुशासन, समय प्रबंधन, कूपन वितरण और विभिन्न स्टॉलों के संचालन की जिम्मेदारी संभाली। फन फेयर में बड़ा, डोसा, मंचुरियन, चाउमिन, फ्रेंच फ्राई, चना रोस्ट, आइसक्रीम और कोल्ड ड्रिंक सहित विभिन्न खाद्य पदार्थों के स्टॉल लगाए गए। श्री चौधरी ने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसी गतिविधियां बच्चों को किताबी ज्ञान के साथ व्यवहारिक जीवन की समझ भी देती हैं। इससे टीमवर्क, नेतृत्व, प्रबंधन, संवाद और निर्णय लेने जैसी क्षमताओं का विकास होता है।

उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ अपनी प्रतिभा को पहचानने, प्रयोग करने और नए विचारों को सामने लाने के पर्याप्त अवसर मिलना चाहिए। यही अनुभव आगे चलकर उनमें नवाचार और स्टार्टअप की सोच को मजबूत आधार प्रदान करते हैं।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950